



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 1, 2018/माघ 12, 1939

No. 49]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 1, 2018/MAGHA 12, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटन-रोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 2018

अंतिम जांच परिणाम

विषय - चीन जनवादी गणराज्य, जापान, दक्षिण अफ्रीका और ताइवान में उत्पादित या निर्यातित "मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके" के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच।

फा. सं. 14/26/2016-डीजीएडी.—मेसर्स सीटेक्स पैट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (जिसे आगे "याचिकाकर्ता" अथवा "आवेदक" कहा गया है) ने समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष पाटन-रोधी जांच आरंभ करने के लिए एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है और चीन, जापान, दक्षिण अफ्रीका और ताइवान (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) में उत्पादित या वहां से निर्यातित मिथाइल इथाइल कीटोन के आयातों के विषय में पाटन-रोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

2. यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 9 फरवरी, 2017 की अधिसूचना संख्या 14/26/2016-डीजीएडी द्वारा अधिसूचना जारी की थी, जिसमें पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (1) के अनुसार पाटन-रोधी जांच की शुरुआत की गई, ताकि चीन जनवादी गणराज्य, जापान, दक्षिण अफ्रीका और ताइवान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

क. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (1) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही करने से पहले भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों का पाटन-रोधी आवेदन-पत्र प्राप्त होने के बारे में अधिसूचित किया है।
- (2) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 9 फरवरी, 2017 को प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की है।
- (3) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावास को जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित कर दिया था कि वे संबद्ध देशों के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के साथ-साथ आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार अन्य घरेलू उत्पादकों को यह सलाह दें कि वे जांच शुरू करने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से उन्हें अवगत करा दें।
- (4) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृत्तान्त की एक प्रति प्रदान की है।
- (5) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों से संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं, जिनके व्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे :-
 1. घुआंगझाऊ लाईफली केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 2. क्विंगडाओ हिसिया केम कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 3. किसयान केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 4. टिआन्जिन जिआटेंग केमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 5. जिबो किसआनरडा केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 6. मारूजेन पेट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड, जापान
 7. इडेमित्सु कोसान कंपनी लिमिटेड, जापान
 8. टासको ग्रुप, जापान
 9. रोंडर कार्पोरेशन, ताइवान
 10. एलसीवाई केमिकल कार्पोरेशन, ताइवान
 11. ससोल लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका
 12. टेग साल्वेंट प्रोडक्ट्स (प्राईवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका
- (6) भारत में संबद्ध दूतावासों से यह भी अनुरोध किया था कि वे संबद्ध देशों से निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत कर दें। उत्पादकों/निर्यातकों को प्रेषित किए गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों से उनके पतों पर भी भेजी गई थी।
- (7) संबद्ध देशों से निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-
 1. ससोल साउथ अफ्रीका (प्राईवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका
 2. ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ, जेबेल अली, संयुक्त अरब अमीरात
 3. टासको केमिकल कार्पोरेशन, ताइवान
 4. सोजिट्रज एशिया प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर
- (8) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने की अधिसूचना की एक प्रति, भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को प्रेषित की थी, जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए

गए थे और उन्हें सलाह दी थी कि वे नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने लिखित विचारों से अवगत करा दें:-

1. हरेष पेट्रोकेम प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
2. क्रिसेंट आर्गेनिक्स प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
3. सी. जे. शाह एंड कंपनी लिमिटेड, मुंबई
4. केमेड्ज इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
5. हजेल मर्केटाईल लिमिटेड, मुंबई
6. पोन प्योर केम (प्राईवेट) लिमिटेड, चेन्नई
7. योग इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
8. कुन्दन राईस मिल्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
9. सोजित इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
10. पेट्रोकेम मिडल ईस्ट (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
11. गुजरात स्टेट फर्टिलाईजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, बदोदरा
12. प्रिवी आर्गेनिक्स लिमिटेड, नवी मुंबई
13. हिन्दुस्तान पोलीमाईड्स एंड फाईबर्स लिमिटेड, मुंबई
14. डो केमिकल्स इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
15. फिल्ट ग्रुप इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, नवी मुंबई
16. सज्जन इंडिया लिमिटेड, मुंबई
17. अंधिया एरोमेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड, नवी मुंबई
18. सकता इंस (इंडिया) लिमिटेड, गुडगांव, हरियाणा
19. यू फ्लेक्स लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
20. मोन्टेज इंटरप्राईजिज प्राईवेट लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
21. ए. एस. शूज एक्जेजरीज (प्राईवेट) लिमिटेड, नई दिल्ली
22. माइक्रो इंडिया लिमिटेड, वापी
23. बोस्टिक इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, बंगलौर

(9) उत्पाद के निम्नलिखित आयातकों अथवा ग्राहकों ने निर्धारित प्रपत्र में आयातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-

1. सी.जे. शाह एंड कंपनी
2. एटरनीज फाईन केमिकल्स लिमिटेड
3. प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड

(10) ससोल साउथ अफ्रीका (प्राईवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका (उत्पादक), ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ, जेबेल अली, संयुक्त अरब अमीरात (निर्यातक) और सी.जे. शाह एंड कंपनी (आयातक) ने अपने निवेदन किए थे/टिप्पणियां प्रस्तुत की थीं।

(11) प्राधिकारी ने नियम 6 (7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों की जांच के प्रयोजनार्थ उपलब्ध कराया है। वर्तमान प्रकटन विवरण में सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को शामिल किया गया है।

- (12) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि, जुलाई, 2015 - सितंबर, 2016 (15 महीनों) तक थी। क्षति का विश्लेषण करने के परिप्रेक्ष्य में प्रवृत्तियों की जांच अवधि में अप्रैल, 2013 - मार्च, 2014, अप्रैल, 2014 - मार्च, 2015, अप्रैल, 2015 - मार्च, 2016 और जांच अवधि को भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त चूंकि जांच अवधि 15 महीनों के लिए है, इसलिए जांच अवधि के लिए सभी आंकड़ों/डाटा को वार्षिकीकृत बना कर उन पर विचार किया गया है।
- (13) इसके अतिरिक्त जितना आवश्यक समझा गया है, आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से अतिरिक्त सूचना मंगाई गई है। इस जांच के प्रयोजनार्थ जितना आवश्यक समझा गया है, घरेलू उद्योग और निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का सत्यापन किया गया है। जहां कहीं भी लागू होता है, वहां आवश्यक संशोधन के साथ केवल सत्यापित सूचना पर विश्वास किया गया है।
- (14) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उन्हें निर्मित करने और बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटन-रोधी शुल्क, घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (15) भारत में संबद्ध उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा विगत तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए करोबार-वार आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को अपनाया गया है।
- (16) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को संबद्ध सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के लिए 22 दिसंबर, 2017 को सार्वजनिक सुनवाई की थी। इस मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले जिन पक्षकारों ने अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त किया था, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों पर अपने प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया गया था।
- (17) इस जांच की कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा जहां कहीं भी प्रासंगिक पाए गए निवेदनों का निदान, इस प्रकटन विवरण में किया गया है।
- (18) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें।
- (19) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान आवश्यक सूचना देने से मना कर दिया है अथवा ऐसी सूचना अन्यथा प्रदान नहीं की है अथवा जांच में अत्यधिक अडचन डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है तथा "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपना निर्णय रिकार्ड किया है।
- (20) इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा *** सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस पर उसी प्रकार से विचार किया गया है।
- (21) वर्तमान जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई औसत विनिमय दर, 1 अमरीकी डालर = 67.06 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद "मिथाइल ईथाइल कीटोन" है (जिसे "संबद्ध वस्तुएं" अथवा "एमईके" भी कहा गया है)।

ख. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

5. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) मिथाइल ईथाइल कीटोन (एमईके) एक कार्बनिक मिश्रण है। यह सफेद जल जैसा संचयी विष वैज्ञानिक (टॉक्सीलॉजिकल) गुणों रहित एसीटोन गंध युक्त अत्यधिक वाष्पशील द्रव्य है। मिथाइल ईथाइल कीटोन एक सर्वाधिक बहुमुखी द्रव है, जो व्यापक सीमा में पदार्थों को घुलनशील बनाने में सक्षम है। यह रंगहीन कीटोन की तीखी, मीठी गंध वाला पदार्थ है, जो बटरस्कोच और एसीटोन की याद दिलाता है। यह बड़े पैमाने पर औद्योगिक रूप से उत्पादित किया जाता है और स्वरूप में ट्रेस अमाउंट में भी पाया जाता है। यह जल में घुलनशील है और सामान्यतः एक औद्योगिक विलायक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- (ख) मिथाइल ईथाइल कीटोन का मुख्य उपयोग गम्स, रेसिन्स, सेल्युलोज एक्कटेट और सेल्युलोज नाइट्रेट जैसे पदार्थों की संसाधन प्रक्रिया में किया जाता है। मिथाइल ईथाइल कीटोन का उपयोग, सिंथेटिक रबड़ उद्योग में पैराफिन और लैक्वर और वार्निशज जैसे घरेलू उत्पादों का उत्पादन करने के लिए भी किया जाता है।
- (ग) “मिथाइल ईथाइल कीटोन” (“एमईके”) को सीमा-शुल्क अधिनियम के अध्याय-29 के साथ-साथ सीमा-शुल्क अधिनियम, 1975 के एक विशिष्ट एच एस कोड 29141200 के अंतर्गत भी वर्गीकृत किया गया है।
- (घ) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है।
- (ङ) पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मिथाइल ईथाइल कीटोन (“एमईके”) को संबद्ध देशों से आयातित “एमईके” के समान वस्तु माना जाना चाहिए।

ख. 2 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

6. इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

ख. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद मिथाइल ईथाइल कीटोन है। एमईके फार्मूला सीएच₃ सी (ओ) सीएच₂ सीएच₃ युक्त एक कार्बनिक मिश्रण है और संचयी विष वैज्ञानिक (टॉक्सीलॉजिकल) प्रोपर्टीज रहित एसीटोन जैसी गंध वाला सफेद जल जैसा अत्यधिक वाष्पशील द्रव्य है। मिथाइल ईथाइल कीटोन एक सर्वाधिक बहुमुखी द्रव्य है जो पदार्थों की बड़ी रेंज को घुलनशील बनाने में सक्षम है। यह रंगहीन कीटोन की तीखी, मीठी गंध वाला पदार्थ है जो बटरस्कोच और एसीटोन की याद दिलाता है। यह बड़े पैमाने पर औद्योगिक रूप से उत्पादित किया जाता है और स्वरूप में ट्रेस अमाउंट में भी पाया जाता है। यह जल में घुलनशील है और सामान्यतः एक औद्योगिक विलायक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

8. मिथाइल ईथाइल कीटोन का मुख्य उपयोग गम्स, रेसिन्स, सेल्युलोज एक्कटेट और सेल्युलोज नाइट्रेट जैसे पदार्थों की संसाधन प्रक्रिया में किया जाता है। मिथाइल ईथाइल कीटोन का उपयोग, सिंथेटिक रबड़ उद्योग में पैराफिन और लैक्वर और वार्निशज जैसे घरेलू उत्पादों का उत्पादन करने के लिए भी किया जाता है।

9. विचाराधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क अधिनियम के अध्याय-29 के साथ-साथ सीमा-शुल्क अधिनियम, 1975 के एक विशिष्ट एच एस कोड 29141200 के अंतर्गत भी वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

10. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय वस्तुएं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एमईके और आयातित एमईके तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इस प्रकार प्राधिकारी का यह मानना है कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद, पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार समान वस्तु हैं।

ग. घरेलू उद्योग का अधिकार-क्षेत्र और आधार

11. पाटन-रोधी नियमावली का नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या

आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

12. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) याचिका मेसर्स सीटेक्स पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर की गई है।
- (ख) भारत में संबद्ध वस्तुओं का कोई और अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकादाता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक मात्र उत्पादक है। विचाराधीन उत्पाद के कुल भारतीय उत्पादन में याचिकादाता का उत्पादन 100% भाग बनता है।
- (ग) याचिकादाता ने स्वतः छोटी मात्रा में संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है और उसने अपने संयंत्र के बंद हो जाने की स्थिति में ग्राहकों के लिए की गई वनबद्धता को पूरा करने के लिए व्यापारियों के माध्यम से आयातित संबद्ध वस्तुओं की मामूली मात्रा में खरीदारी की है। याचिकादाता को कच्चे माल की आवश्यकता होने के कारण अपने संयंत्र को बंद करना पड़ा था क्योंकि आपूर्तिकर्ता (नामत: चेन्नई पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड) का कच्चे माल का उत्पादन करने वाला संयंत्र उस समय बंद पड़ा हुआ था।
- (घ) याचिकादाता ने अत्यधिक लाभ पर आयातित सामग्री को नहीं बेचा है। कंपनी का श्रष्ट निरंतर अपना निजी उत्पादन करने पर है। वास्तव में याचिकादाता ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाया है और उसका अपनी क्षमताओं का और विस्तार करने की भावी योजना है।
- (ङ) भारत में कुल आयातों, भारत में खपत और याचिकादाता के उत्पादन के संबंध में याचिकादाता द्वारा किए गए आयात तुच्छ हैं।
- (च) याचिकादाता संबद्ध देश में किसी निर्यातक अथवा भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक से संबंधित नहीं है।
- (छ) इसलिए याचिकादाता ने नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के आधार की आवश्यकता को पूरा किया है और याचिकादाता पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5 (3) के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनता है।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

13. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) आवेदक ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात किए हैं और साथ ही उसने स्थानीय व्यापारियों से आयातित वस्तुओं की खरीदारी भी की है। इसलिए वह नियम 2 (ख) के अनुसार एक अपात्र घरेलू उद्योग है।
- (ख) चीन जनवादी गणराज्य से एल्युमिनियम फाईल के आयातों पर पाटन-रोधी जांच के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 10 मार्च, 2017 के अपने निर्णय में यह पाया था कि एक घरेलू उत्पादक कंपनी को इस कारण से घरेलू उद्योग नहीं माना है कि उसने उत्पादक द्वारा किए गए आयात के माध्यम से ऐसे पाटन से अनुचित लाभ उठाया था, भले ही वह “अत्यधिक नहीं था”।
- (ग) चूंकि याचिकादाता घरेलूबाजार में विचाराधीन उत्पाद का एक मात्र विनिर्माता है, स्थानीय व्यापारियों से खरीदे गए विचाराधीन उत्पाद का आयात भी किया गया है और साथ ही उसे देश में विनिर्मित भी किया गया है।
- (घ) याचिकादाता ने स्थानीय व्यापारियों से अधिप्राप्त की गई संबद्ध वस्तुओं के मूल देश के बारे में कोई घोषणा नहीं की है।
- (ङ) हालांकि याचिकादाता के आयात कथित रूप से तुच्छ हैं, फिर भी उन्हें घरेलू बाजार में बेचा गया था। इस प्रकार याचिकादाता ने आयातों से लाभ प्राप्त किया है। इस संबंध में चीन जनवादी गणराज्य से एल्युमिनियम फाईल के आयातों पर पाटन-रोधी जांच के अंतिम जांच परिणाम की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।
- (च) विचाराधीन उत्पाद का आयात किए बिना याचिकादाता ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ था।
- (छ) याचिकादाता ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के अतिरिक्त सामग्री को आयात करने के लिए कोई युक्ति युक्त कारण नहीं बताया है।

(ज) प्राधिकारी ने जांच अवधि को अद्यतन बनाने के बाद “घरेलू उद्योग के आधार” पर कोई निर्धारण नहीं किया है।

ग. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. वर्तमान आवेदन-पत्र, विचाराधीन उत्पाद के एक घरेलू उत्पादक के रूप में मेसर्स सीटेक्स पैट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकादाता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक मात्र उत्पादक है।

16. सिंगापुर से आयातों के मुद्दे के संबंध में याचिकादाता ने बताया है कि हालांकि याचिकादाता द्वारा किए गए आयातों की बीजक सिंगापुर से आई थी, लेकिन इन आयातों का मूल देश चीन था। इसके अतिरिक्त याचिकादाता द्वारा स्थानीय व्यापारियों से खरीदी गई संबद्ध वस्तुएं, ताइवान मूल की थीं। याचिकादाता ने अपने इस दावे के समर्थन में आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकादाता ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है क्योंकि कच्चे माल की आपूर्तिकर्ता के संयंत्र के बंद हो जाने के कारण कच्चे माल की कमी होने से उसका उत्पादन कम हो गया था। इसके अतिरिक्त यह देखा गया है कि याचिकादाता द्वारा किए गए आयात, देश में कुल ***खपत में से ***थे, जो कि तुच्छ हैं।

18. उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का मानना है कि याचिकादाता पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग बनता है और वह पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार की आवश्यकता को पूरा करता है।

घ. गोपनीयता

घ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

19. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) प्रश्नावली के उत्तरों में संबद्ध सूचना के पूर्णतया कमी है और यह अनेक मुद्दों का भी निदान नहीं करते हैं। इनमें पर्याप्त सूचना निहित नहीं होने के अतिरिक्त ये उत्तर प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र की आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं करते हैं।

(ख) परिशिष्ट 1-9 में प्रस्तुत सूचना, निर्धारित प्रपत्र अनुसार स्पष्ट नहीं है, जब कि प्रपत्र में विशिष्ट रूप से यह उल्लिखित किया गया है कि “कढ़ाई से अनुपालन” किया जाए। यहां तक कि सूचीबद्ध सूचना भी प्रस्तुत नहीं हो की गई है। घरेलू उद्योग ऐसे कम उत्तरों पर अपनी टिप्पणियां देने में स्वयं को विकलांग अनुभव कर रहा है।

(ग) निर्यातकों ने महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखा हुआ है, जैसे कि शेयर-धारकों के नाम, उत्पादन प्रक्रिया और कच्चे माल की अधिप्राप्ति के स्रोत और प्रयोज्यताओं की अधिप्राप्ति के स्रोत।

(घ) निर्यातकों ने किए गए निर्यात से किसी भी प्रकार का लाभ प्राप्त करने से भी मनाही की है, जो कि असत्य है।

(ङ) सोजिट्ज एशिया प्राइवेट लिमिटेड (जो कि निर्यातक और सोजिट्ज कार्पोरेशन, जापान की सहायक कंपनी है) द्वारा दिया गया उत्तर अधूरा है और उसे अस्वीकार किया जा सकता है क्योंकि सदृश उत्पादकों ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। यहां तक कि कंपनी ने उन उत्पादकों और देशों के नामों का भी प्रकटन नहीं किया है जिन्होंने भारत में उत्पादों का निर्यात किया गया है।

(च) इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया निर्यातकों के उत्तरों की अनदेखी कर सकते हैं और उन्हें विशिष्ट पृथक निरूपण की मनाही के साथ असहयोगी घोषित कर सकते हैं।

घ. 2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

20. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) जांच की अद्यतन अवधि के लिए आयात आंकड़ों की सॉफ्ट प्रति सार्वजनिक फाईल में उपलब्ध नहीं कराई गई है। कारोबार-वार आयात के आंकड़ों के एक्सिल रूपान्तरण को रोक कर रखने का कोई कारण नहीं है। यहां तक कि यदि गोपनीयता का कोई संबंध है, तो भी (पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7 की आवश्यकताओं के अध्येक्षी) संबद्ध कॉलम को सम्पादित किया जा सकता था।

- (ख) याचिकादाता ने खपत के कारकों, याचिकादाता के आयातों, लाभ/हानि और निबल निर्यात कीमत के परिकलन में किए गए समायोजन जैसे अनेक तथ्यों के बारे में गोपनीयता का अत्यधिक दावा किया है।
- (ग) जबकि याचिका में केवल सिंगापुर से आयातों का प्रकटन किया गया है, जो कि जांच में संबद्ध देश नहीं है, जांच शुरू करने से सिद्ध होता है कि याचिकादाता ने एक से अधिक संबद्ध देश से आयात किए हैं। इसके अतिरिक्त दिनांक 6 मार्च, 2017 की अद्यतन याचिका में सिंगापुर से आयातों के बारे में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (घ) याचिकादाता ने उन वस्तुओं के मूल देश के बारे में कोई प्रकटन नहीं किया है, जिनके स्थानीय व्यापारियों से याचिकादाता ने खरीद की है।
- (ङ) लागत निर्धारण करने की सूचना के भाग के रूप में प्रस्तुत सूचना को सुगमता से सूचीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है, ताकि प्रपत्र-ख, ग-1, ग-2, घ और ङ में प्रवृत्तियों को निर्दिष्ट किया जा सके।

घ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

21. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में उल्लिखित व्यवस्था निम्नानुसार है:-

“7. गोपनीय सूचना : (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

22. घरेलू उद्योग के साथ-साथ अन्य हितबद्ध पक्षकारों हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे सार्वजनिक फाइल में में उपलब्ध नहीं कराया है।

ङ. विविध मुद्दे

ङ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

23. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) याचिकादाता द्वारा प्रस्तावित जांच अवधि और प्राधिकारी द्वारा अंतिम रूप से निर्णीत अवधि के बीच तीन महीनों (एक तिमाही) का अंतर होने के संबंध में अन्य पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे के उत्तर में निर्दिष्ट में घरेलू उद्योग ने बताया है कि प्राधिकारी ने अनेक जांच में जांच अवधि को एक तिमाही तक बढ़ाया है और इसलिए यह कोई नई घटना नहीं है। इसके अतिरिक्त पाटन-रोधी करार और पाटन-रोधी नियमावली में ऐसी जांच अवधि को अपनाने पर बल दिया जाता है, जो कि संभवतया जांच शुरू किए जाने की तारीख से नजदीक हो।
- (ख) मेक्सिको - स्टील पाईप्स और ट्यूब्स पर पाटन-रोधी शुल्कों के मामले में विश्व व्यापार संगठन के पैनल का हवाला देना अनुचित है। वास्तव में निर्णय में निर्धारित किया गया सिद्धांत, जांच अवधि को संभवतया जांच शुरू किए जाने की तारीख से नजदीक रखने के प्रयास के रूप में प्राधिकारी के कार्य का समर्थन करेगा।
- (ग) हितबद्ध पक्षकारों ने याचिका और जांच शुरू होने के बाद अद्यतन याचिका में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में असंगति होने का तर्क दिया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मूल याचिका डीजीसीआईएंडएस के प्रकाशित आंकड़ों पर

आधारित थी। तथापि, बाद में याचिकादाता ने डीजीसीआईएंडएस के कारोबार-वार आंकड़े प्राप्त किए थे। इस कारणवश आयात के आंकड़ों, आयातों की मात्रा और मूल्य में याचिका और अद्यतन आंकड़ों के बीच अंतर है। इसके परिणामस्वरूप अद्यतन आंकड़ों में निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, पहुंच कीमत, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री में परिवर्तन हुआ है।

ड. 2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

24. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) जांच शुरू करना विधि में निरूपित है। जांच की प्रस्तावित अवधि और जांच की निर्णीत अवधि के बीच तीन महीनों (एक तिमाही) का अंतर है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान जांच शुरू करने से पूर्व जांच की अवधि के लिए पाटन और क्षति के आंकड़ों की जांच करनी आवश्यक थी। तथापि, ऐसा प्रतीत होता है कि वर्तमान जांच जांच की संपूर्ण अवधि के लिए आंकड़ों की वास्तविक जांच किए बिना शुरू की गई है, जो कि नियम 5 और अनुच्छेद 3.1 का उल्लंघन है। इस संबंध में मेक्सिको - स्टील पाईप्स और ट्यूब्स पर पाटन-रोधी शुल्कों के मामले में विश्व व्यापार संगठन के पैनल के निर्णय का संदर्भ ग्रहण करें।
- (ख) याचिकादाता ने अद्यतन आंकड़ों द्वारा एक आयात विवरण प्रस्तुत किया है, जो कि सिंगापुर द्वारा की गई किसी प्रकार की बिक्री को नहीं दर्शाता है। याचिकादाता एक तरफ यह दावा नहीं कर सकता है कि उसने सिंगापुर से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है और दूसरी तरफ उसके द्वारा प्रस्तुत आयात विवरण में वह सिंगापुर से किसी आयात को नहीं दर्शा सकता है।
- (ग) मूल याचिका के अनुबंध 2.1 में याचिकादाता ने एक तालिका उल्लिखित की है, जिसमें उसने अपने स्रोत अर्थात् सिंगापुर, किसी अन्य देश और स्थानीय व्यापारियों के आधार पर अपने आयातों को पृथक् दर्शाया है। याचिकादाता ने "किसी अन्य देश" के शीर्षक के अंतर्गत आने वाले देशों के नाम उल्लिखित नहीं किए हैं।
- (घ) मूल याचिका और जांच शुरू होने के बाद प्रस्तुत अद्यतन याचिका में उल्लिखित आंकड़ों के बीच अंतर है।

ड. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

25. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों के संबंध में प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

- (क) जांच शुरू करने पर जांच अवधि को बढ़ाने के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि को बढ़ाने का उद्देश्य अभी हाल ही की अवधि के आंकड़ों पर विचार करते हुए जांच का संचालन करना है।
- (ख) इस तर्क के संबंध में कि याचिकादाता ने सिंगापुर से संबद्ध वस्तुओं का आयात करने का दावा किया है, जब कि याचिकादाता द्वारा प्रदत्त आयात विवरण में सिंगापुर से आयात को नहीं दर्शाया गया है, यह नोट किया जाता है कि आयातित वस्तुओं की बीजक सिंगापुर में बनाई गई थी, जो कि चीन मूल की थीं और न कि सिंगापुर की। इसकी जांच कर ली गई है।

च. बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

26. यथा-संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 धारा 9 (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:-

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री औष्र सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत :

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

च.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

27. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) अभिगमन नयाचार का एक प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गया है। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान जांच की आगे की कार्रवाई, नीचे दिए गए कारणों से चीन के उत्पादकों पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन कर रहे उत्पादकों के रूप में विचार करना चाहिए।

इस संबंध में संबंधित तथ्य, जांच अवधि का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ होना चाहिए, जबकि इसकी संपुष्टि हो गई है कि क्षति का कारण पाटन का विद्यमान होना है और जांच अवधि के बाद घटित होने वाली घटनाएं, निर्धारण के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। चूंकि वर्तमान मामले में जांच अवधि जुलाई, 2015 से सितंबर, 2016 तक (15 महीनों) की है, वर्तमान जांच अवधि पर अनुच्छेद 15 के प्रावधान पूरी तरह से लागू होंगे।

(ख) प्राधिकारी को नियमावली के पैरा 7 और 8 के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण करना चाहिए।

(ग) याचिकादाता ने बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों का विधिवत् समायोजन करके और याचिकादाता के खपत के मानदंडों को ध्यान में रखते हुए, भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का दावा किया है। याचिकादाता ने पहले मध्यवर्ती पदार्थ, एसबीए के उत्पादन की लागत का निर्धारण, याचिकादाता के अनुसार ब्यूटेने की कीमतों पर विचार करके किया है। इस प्रकार से परिकलित एसबीए की लागत पर संबंधित देशों में एमईके के संरचित सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए विचार किया गया है। याचिकादाता ने निर्धारित उत्पादन की लागत में 5% लाभ को शामिल किया है। चूंकि कच्चे माल ब्यूटेने और संबंधित वस्तुओं की कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता रहता है, इसलिए याचिकादाता ने मास-वार आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार करने का दावा किया है।

(घ) जापान, दक्षिण अफ्रीका और ताइवान में सामान्य मूल्य – निर्यातक देशों में घरेलू कीमतों से संबंधित वास्तविक कारोबार के संबंध में प्रकाशित सूचना अथवा निर्यातक देशों में विचाराधीन उत्पाद की प्रचलित कीमतों को दर्शाने वाला कोई अन्य साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में याचिकादाता ने संरचित मूल्य उपागम पर विचार करके, इन देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का दावा किया है। याचिकादाता ने पहले मध्यवर्ती पदार्थ, एसबीए के उत्पादन की लागत का निर्धारण, याचिकादाता के अनुसार ब्यूटेने की कीमतों पर विचार करके किया है। इस प्रकार से परिकलित एसबीए की लागत पर संबंधित देशों में एमईके के संरचित सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए विचार किया गया है। याचिकादाता ने निर्धारित उत्पादन की लागत में 5% लाभ को शामिल किया है। चूंकि कच्चे माल ब्यूटेने और संबंधित वस्तुओं की कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता रहता है, इसलिए याचिकादाता ने मास-वार आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार करने का दावा किया है।

(ङ) निर्यातक के उत्तर के विश्लेषण से कुछ विशिष्ट तथ्यों का पता चलता है, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:-

ससोल की बेवसाईट पर उपलब्ध सूचना से स्पष्ट पता चलता है कि उत्पादन के लिए मुख्य कच्चा माल कोयला है। एमईके का उत्पादन सेकुंडा संयंत्र में होता है, जहां कोयला सुगमता से प्राप्त होता है। कंपनी के पास कोयला खदानों का अधिकार प्राप्त है, जिसका उपयोग गैस का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद सहित अनेक उत्पादों का उत्पादन करने के लिए पेट्रोलियम गैस को और परिष्कृत किया जाता है।

- (च) ससोल साउथ अफ्रीका नामक कंपनी, कोयला और गैस आधारित सिंथेटिक ईंधन विनिर्माण सुविधा केन्द्र के रूप में कार्य करती है, जो कि रसायन, फीडबैक्स और विद्युत का उत्पादन भी करती है। ससोल साउथ अफ्रीका की वेबसाइट से प्राप्त की गई सूचना, प्राधिकारी के रिकार्ड में पहले से ही उपलब्ध कराई गई है।
- (छ) कंपनी का पश्चगामी और अग्रगामी एकीकरण सहित एक पूर्णरूपेण एकीकृत संयंत्र है। इसलिए यह जांच करना महत्वपूर्ण है कि विचाराधीन उत्पाद की लागत का सही तरीके से मूल्यांकन किया गया है।
- (ज) ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ ने दावा किया है कि उसने अपनी सरकार से निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन राशि, अनुदान अथवा आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं की है। तथापि, कंपनी जेबेल अली मुक्त क्षेत्र में अवस्थित है और उसे इस क्षेत्र में प्रचालन करने वाली कंपनियों द्वारा प्राप्त की जाने वाली सुविधाओं में से कुछेक सुविधाओं से लाभान्वित होना चाहिए।
- (झ) टासको अपनी संबद्ध कंपनी, ताइवान फील्डरिच कार्पोरेशन (टीएफसी) के माध्यम से भारत को बिक्रियां करती है, जो कुछ कच्चेमाल की आपूर्ति भी कर रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि टासको का टीएफसी के साथ क्या वाणिज्यिक संबंध है। इसके अतिरिक्त टासका समूह में अन्य कंपनियां भी हैं, जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और बिक्रियों का कार्य करने में लगी हुई हैं। ऐसी संबंधित कंपनियों में शेयरधारकों के हित तथा संबद्ध वस्तुओं की लागत और कीमत में उनके प्रभाव के परिमाण की जांच करने की आवश्यकता है।
- (ञ) टासको ने स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से समस्त मुख्य कच्चा माल खरीदने का दावा किया है। तथापि, टासको ग्रुप की वेबसाइट से पता चलता है कि एमईके के लिए टासको का वाणिज्यिक पथ, एसबीए का डिहाईड्राजेनेशन (देखें – ब्युटिल अल्कोहल) है, जो कि उसके एमटीबीई यूनिट से अधिप्राप्त रेफिनेट-2 की हाईड्रेशन से निर्मित किया जाता है।
- (ट) टासको ने विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण, निर्यात अथवा परिवहन पर कोई अनुदान, आर्थिक सहायता अथवा कोई अन्य लाभ प्राप्त करने से मनाही की है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने वाला संयंत्र लिनयुआन जिला में अवस्थित है, जहां ताइवान सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क को निर्यात करने के लिए लाभ प्रदान किए जाते हैं।
- (ठ) सोजिट्रज एशिया द्वारा नकदी के साथ-साथ क्रेडिट की शर्तों पर निर्यात बिक्रियां की जाती हैं। क्रेडिट लागत को निर्यात कीमत में से घटाया गया है, जबकि बिक्रियां क्रेडिट की शर्तों पर की गई हैं। प्राधिकारी निबल निर्यात परिकलन में से क्रेडिट लागत के लिए समायोजन करने पर विचार कर सकते हैं।
- (ड) प्राधिकारी कृपया ऐसे मामलों में जहां व्यापारियों के माध्यम से निर्यात किए गए हैं, निबल निर्यात कीमत का परिकलन करते समय खर्च हुए व्यापारी के कमीशन और व्यय का समायोजन करने पर विचार कर सकते हैं।

च. 2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

28. संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर दिए हैं:-
1. ससोल साउथ अफ्रीका (प्राईवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका
 2. ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ, जेबेल अली, संयुक्त अरब अमीरात
 3. टासको केमिकल कार्पोरेशन, ताइवान
 4. सोजिट्रज एशिया प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर
29. सामान्य मूल्य के संबंध में विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) ससोल ने दावा किया है कि प्राधिकारी को निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का परिकलन करके पाटन मार्जिन निर्धारित करना चाहिए।
- (ख) निर्यातकों द्वारा घरेलू बाजार में बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया गया है।
- (ग) ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ ने यदि कोई आर्थिक सहायता अथवा किसी अन्य रूप में कोई सहायता प्राप्त की है, तो वह वर्तमान पाटन-रोधी जांच से संबद्ध नहीं है।

- (घ) ससोल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की भारत में निर्यातकों की विक्रियां करने में कोई भूमिका नहीं है, इसलिए उसका कोई हवाला नहीं दिया गया है। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के सभी निर्यात ससोल मिडल ईस्ट द्वारा किए गए हैं और ऐसे निर्यातों में ससोल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की कोई भूमिका नहीं है।

च. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

च. 3.1 बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

30. याचिका द्वारा किए गए निवेदनो के संबंध में उल्लेखनीय है कि चीन द्वारा विश्व व्यापार संगठन के साथ हस्ताक्षरित किए गए अभिगमन नयाचार के पैरा 15 (क) (1) के अंतर्गत वचनबद्धता में ऐसी अपेक्षा है कि जांच अधीन उत्पादकों को स्पष्ट रूप से यह दर्शाना होगा कि समान उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और विक्री के लिए उसका उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं विद्यमान हैं। इसको सिद्ध करने की स्थिति में विश्व व्यापार संगठन का आयातक सदस्य, कीमत की तुलनीय क्षमता का निर्धारण करने में जांच अधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतें अथवा लागतें प्रयुक्त करेगा। इसके अतिरिक्त विश्व व्यापार संगठन के अनुच्छेद 2.2.1.1 और भारत में पाटन-रोधी नियमावली में ऐसी अपेक्षा है कि उत्पादक/निर्यातक के वित्तीय अभिलेख, उत्पादन लागत को प्रतिबिंबित करते हैं। इसलिए निम्नोक्त के संबंध में सूचना और समर्थक साक्ष्य प्रदान करने की आवश्यकता है:-

- (क) कीमत, लागत, कच्चे माल सहित इनपुट, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम, आउटपुट, विक्रियां और माल सूचियां बाजार के संकेतों पर बनाई गई हैं, जो कि आपूर्ति और मांग को प्रतिबिंबित करती हैं और उनमें राज्य का विशेष हस्तक्षेप नहीं है और क्या प्रमुख इनपुट की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को प्रतिबिंबित करती है।
- (ख) उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में कोई विकृति नहीं है।
- (ग) उत्पादक/निर्यातक दिवालियापन और सम्पदा कानून के अध्याधीन हैं, जो कि फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी सुनिश्चितता स्थिरता की गारंटी देता है।
- (घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।

च. 3.2 चीन में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

31. तदनुसार, तृतीय देश में किसी बाजार अर्थव्यवस्था में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी विश्वसनीय कीमत और लागत के ब्यौरे उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी ने एक प्रमुख कच्चे माल अर्थात् सल्फुरिक एसिड के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमत और अन्य कच्चे माल अर्थात् ब्यूटेने के लिए घरेलू कीमत पर विचार करते हुए चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है। कच्चे माल के लिए घरेलू उद्योग की अनुकूलतम खपत मानदंड और प्रयोज्यताओं, परिवर्तन लागत, व्याज, एसजीए आदि के लिए घरेलू उद्योग के स्तर पर अनुमति दी गई है, जिसमें उचित लाभ को शामिल किया गया है। चीन जनवादी गणराज्य के लिए सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन को नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

च. 3.3 चीन के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने चीन में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

च. 3.4 दक्षिण अफ्रीका में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि दक्षिण अफ्रीका में उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-

- (1) ससोल साउथ अफ्रीका (प्राइवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका (उत्पादक)
- (2) ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ, संयुक्त अरब अमीरात (निर्यातक)

च. 3.4.1 ससोल साउथ अफ्रीका (प्राइवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका (उत्पादक) और ससोल साउथ मिडल ईस्ट ईजेडसीओ – संयुक्त अरब अमीरात (निर्यातक) के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

34. दक्षिण अफ्रीका में उत्पादकों/निर्यातकों से प्राप्त प्रश्नावली के उत्तर को ध्यान में रखते हुए उत्तर देने वाले उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उनके प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया गया है।

35. निर्यातक की प्रश्नावली (ईक्यू) के उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज ससोल साउथ अफ्रीका (प्राइवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है। भारत को निर्यात ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा किए गए हैं। मेसर्ज ससोल साउथ अफ्रीका ने घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार ससोल साउथ अफ्रीका ने जांच अवधि के दौरान *** मी.टन घरेलू बिक्रियां की हैं। ससोल साउथ अफ्रीका की बिक्रियों पर किए गए व्यापारिक परीक्षण (80:20) की सामान्य प्रक्रिया से पता चलता है कि *** बिक्रियां लाभप्रद थीं। इसलिए जांच अवधि में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण, संबद्ध देश में कुल घरेलू बिक्रियों की औसत कीमत को ध्यान में रख कर विधिवत् समायोजन करने के बाद किया गया है। इस प्रकार से विचारित सामान्य मूल्य ***अमरीकी डालर/मी.टन है।

च. 3.4.2 ससोल साउथ अफ्रीका (प्राइवेट) लिमिटेड, दक्षिण अफ्रीका (उत्पादक) और ससोल साउथ मिडल ईस्ट ईजेडसीओ – संयुक्त अरब अमीरात (निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ससोल साउथ अफ्रीका ने ससोल मिडल ईस्ट के माध्यम से *** मी.टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियां की हैं। इनकी औसत भारित सीआईएफ कीमत ***अमरीकी डालर/मी.टन निर्धारित की गई है। प्राधिकारी ने कारखाना-गत स्तर पर निबल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन हैंडलिंग प्रभारों, बैंक प्रभारों और क्रेडिट लागत का समायोजन करने की अनुमति दी है। इस प्रकार से निर्धारित कारखाना-गत स्तर पर निबल निर्यात कीमत ***अमरीकी डालर/मी.टन है।

च. 3.4.3 दक्षिण अफ्रीका में असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

37. दक्षिण अफ्रीका के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य पर विचार किया गया है। इस आधार पर निर्धारित पाटन मार्जिन संबद्ध तालिका में दर्शाया गया है।

च. 3.5 ताइवान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताइवान से टासको केमिकल कार्पोरेशन ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

च.3.5.1 टासको केमिकल कार्पोरेशन – ताइवान (उत्पादक), ताइवान फील्डरिच (टीएफसी) (निर्यातक) और सोजिट्ज एशिया प्राइवेट लिमिटेड (व्यापारी) के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

39. निर्यातक की प्रश्नावली (ईक्यू) के उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि टासको केमिकल कार्पोरेशन, ताइवान संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है। टासको केमिकल कार्पोरेशन, ताइवान ने घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। भारत को निर्यात ताइवान फील्डरिच कार्पोरेशन (टीएफसी) और सोजिट्ज एशिया प्राइवेट लिमिटेड (सोजिट्ज) द्वारा किए गए हैं। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार टासको ने *** मी.टन घरेलू बिक्रियां की हैं। टासको की बिक्रियों पर किए गए व्यापारिक परीक्षण (80:20) की सामान्य प्रक्रिया से पता चलता है कि *** बिक्रियां लाभप्रद थीं। इसलिए जांच अवधि में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण, संबद्ध देश में कुल घरेलू बिक्रियों की औसत कीमत को ध्यान में रख कर विधिवत् समायोजन करने के बाद किया गया है। इस प्रकार से विचारित सामान्य मूल्य ***अमरीकी डालर/मी.टन है।

च. 3.5.1 टासको केमिकल कार्पोरेशन – ताइवान (उत्पादक), ताइवान फील्डरिच (टीएफसी) (निर्यातक) और सोजिट्ज एशिया प्राइवेट लिमिटेड (व्यापारी) के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टासको ने टीएफसी और सोजिट्ज के माध्यम से *** मी.टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियां की हैं। इनकी औसत भारित सीआईएफ कीमत ***अमरीकी डालर/मी.टन निर्धारित की गई है। प्राधिकारी ने कारखाना-गत स्तर पर निबल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन हैंडलिंग प्रभारों, बैंक

प्रभारों और क्रेडिट लागत का समायोजन करने की अनुमति दी है। इस प्रकार से निर्धारित कारखाना-गत स्तर पर निबल निर्यात कीमत ***अमरीकी डालर/मी.टन है।

च. 3.5.3 ताइवान में असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

41. ताइवान के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य पर विचार किया गया है। इस आधार पर निर्धारित पाटन मार्जिन, संबद्ध तालिका में दर्शाया गया है।

च. 3.6 जापान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। जापान में सभी असहयोगी उत्पादकों – निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य निर्धारित किया है और उन्हें नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

च. 3.7 पाटन मार्जिन का परिकलन

43. यथानिर्धारित उपरोक्त सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करते हुए जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

पाटन मार्जिन

देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	कारखाना-गत निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	सीमा
			अमरीकी डालर/मी.टन	अमरीकी डालर/मी.टन	अमरीकी डालर/मी.टन	%	
दक्षिण अफ्रीका	ससोल साउथ अफ्रीका (प्राईवेट) लिमिटेड	ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ	***	***	***	***	60-70
दक्षिण अफ्रीका	अन्य			***	***	***	90-100
ताइवान	टासको केमिकल कार्पोरेशन	ताइवान फील्डरिच कार्पोरेशन (टीएफसी), ताइवान फील्डरिच कार्पोरेशन (टीएफसी) सोजिटूज एशिया पीटीई. लि.	***	***	***	***	25-35
ताइवान	अन्य		***	***	***	***	40-50
जापान	सभी		***	***	***	***	20-30
चीन	सभी		***	***	***	***	5-15

44. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से प्रत्येक सहयोगी उत्पादक/निर्यातक और असहयोगी उत्पादक/निर्यातक से किए गए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन, नियमावली के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ज. क्षति का निर्धारण और कारणात्मक संबंध

45. याचिकादाता ने यह आरोप लगाया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण भारत में समान उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है। यह निर्धारित करते हुए कि संबद्ध देशों से पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुएं देश में प्रवेश कर रही हैं, प्राधिकारी घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति हुई है, तो उसकी मात्रा और परिमाण की जांच करने की कार्यवाही करते हैं।

46. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए....." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

ख. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

47. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) देश में पाटित कीमतों पर अत्यधिक मात्रा में आयात प्रवेश कर रहे हैं।
- (2) भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में आयात अत्यधिक हैं।
- (3) विगत वर्ष, 2015-16 की तुलना में जांच अवधि में मांग में कुछ गिरावट आई है। तथापि, समग्र आधार पर, क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। समस्त क्षति अवधि के दौरान पाटित आयात समग्र रूप से और सापेक्षिक रूप में अत्यधिक उच्च स्तर पर बने हुए हैं।
- (4) घरेलू मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अपनी क्षमता को बढ़ाने के बावजूद भी संबद्ध आयात, बाजार के अत्यधिक हिस्से पर कब्जा जमाए हुए हैं।
- (5) संबद्ध आयातों ने घरेलू कीमतों पर दबाव डाला हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप घाटे हो रहे हैं।
- (6) आयातों के परिणाम स्वरूप कम कीमतों पर अत्यधिक बिक्री हो रही है, जैसा कि क्षति रहित कीमत और आयातों की पहुंच कीमतों के बीच अंतर होने से स्पष्ट पता चलता है।
- (7) उत्पाद की अत्यधिक मांग होने के कारण घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता का विस्तार किया है। तथापि, उत्पादन, बिक्रियों, क्षमता उपयोग और बाजार के हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन प्रत्याशित स्तर से अत्यधिक नीचे है।
- (8) देश में अत्यधिक मांग होने के बावजूद भी घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्रियां और क्षमता उपयोग प्राप्त करने योग्य स्तरों से नीचे है।
- (9) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूचियों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (10) कम कीमत पर पाटित आयातों के अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध होने के कारण लाभ, व्याज पूर्व लाभ, निवेशों पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (11) उत्पादन में वृद्धि होने से रोजगार, वेतन और उत्पादकता में निरंतर सुधार हुआ है।
- (12) पाटन मार्जिन सकारात्मक और अत्यधिक है।
- (13) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का परिणामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

ख. 2 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

48. इस संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) मांग और पूर्ति के बीच व्यापक अंतर विद्यमान है। यहां तक कि घरेलू उद्योग अपनी 100% क्षमता का प्रचालन कर रहा है, फिर भी वह देश की 22% मांग को पूरा करने में समर्थ नहीं है।
- (2) अधिकांश क्षति जांच अवधि के दौरान निरंतर नकारात्मक कीमत कटौती हुई है।
- (3) याचिकादाता ने आंकड़ों के दो सेट प्रदान किए हैं। एक सेट में “90% आंकड़े” का शीर्ष दिया गया है जो कि लाभ/(हानि), नकदी लाभ, ब्याज और कर पूर्व नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के लिए है। याचिकादाता ऐसा कोई स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है कि उसने “90% आंकड़े” का शीर्ष क्यों दिया है, जबकि “प्रपत्र 4-क” में इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।
- (4) क्षमता, उत्पादन, बिक्रियों की मात्रा, कर्मचारियों की संख्या तथा वेतन और मजदूरियों आदि जैसे आर्थिक प्राचलों के रूप में कोई क्षति नहीं हुई है।
- (5) याचिकादाता के बाजार के हिस्से और बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि हुई है, जबकि संबद्ध देशों से आयातों के बाजार के हिस्से और मात्रा में कमी हुई है।
- (6) क्षमता में अत्यधिक वृद्धि होने की तुलना में क्षमता उपयोग ने मामूली गिरावट दर्शाई है।
- (7) पाटन-रोधी शुल्क लगाना जनहित में नहीं है और इससे केवल याचिकादाता का एकाधिपत्य का वर्चस्व बढ़ेगा।
- (8) यदि कोई क्षति हुई है, तो वह स्वयं पहुंचाई गई है अथवा अपरिष्कृत कीमतों में गिरावट आने जैसे अन्य कारकों से हुई है।

छ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

छ. 4 संचयी मूल्यांकन

49. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा (3) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

50. वर्तमान मामले में प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटित आयात निर्धारित सीमा से अधिक हैं और संबद्ध देशों से निर्यात सीधे भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा होने की दशाओं तथा आयातित उत्पादों और घरेलू समान उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा होने की दशाओं के आलोक में पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना यथोचित है। इसलिए प्राधिकारी संबद्ध देशों से पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त समझते हैं।

छ. 4 क्षति मापदंडों की जांच

51. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को नोट किया है। प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है।

52. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-2 (4) के अनुसार भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निबल बिक्रियों की वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संबद्ध आर्थिक कारकों और सूचकों की जांच की है।

छ. 4.1 मांग का मूल्यांकन और बाजार का हिस्सा

53. वर्तमान जांच के लिए प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादक (उत्पादकों) की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योगफल के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार से मूल्यांकित की गई मांग को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

मांग	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि वार्षिकीकृत	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	मी.टन	26,969	27,347	39,910	35,576	44,470
अन्य देशों से आयात	मी.टन	***	***	***	***	***
कुल मांग	मी.टन	29,850	31,021	45,988	42,355	52,943
बाजार का हिस्सा	%					
घरेलू उद्योग	%	9.65%	11.30%	11.15%	14.13%	14.13%
संबद्ध देश	%	90.35%	88.16%	86.78%	84.00%	84.00%
अन्य देश	%	0.001%	0.55%	2.06%	1.87%	1.87%
कुल	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ समय से विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि उत्पाद की मांग वृद्धि होने की प्रवृत्ति दर्शाती है। तथापि, विगत वर्ष 2015-16 की तुलना में जांच अवधि में मांग में कुछ गिरावट आई है। यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार का हिस्सा कुल मिला कर स्थिर बना हुआ है, जबकि जांच अवधि में उसने वृद्धि दर्शाई है। हालांकि संबद्ध देशों के बाजार का हिस्सा स्पष्टतया अत्यधिक है, लेकिन क्षति की जांच अवधि के दौरान उसमें निरंतर मामूली गिरावट दिखाई दी है।

छ. 4.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा और निर्यात कीमत**(क) मात्रात्मक प्रभाव : आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा**

55. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि – वार्षिकीकृत	जांच अवधि
आयात की मात्रा -						
चीन	मी.टन	1,129	2,588	3,500	2,770	3,462
जापान	मी.टन	2,237	1,647	11,015	8,804	11,005
दक्षिण अफ्रीका	मी.टन	7,437	6,941	8,519	7,272	9,089
ताइवान	मी.टन	16,166	16,171	16,876	16,731	20,914

संबद्ध देश	मी.टन	26,969	27,347	39,910	35,576	44,470
अन्य देश	मी.टन	0.20	169	949	793	991
कुल	मी.टन	26,969	27,516	40,860	36,369	45,461
आयातों में बाजार का हिस्सा						
चीन	%	4.19%	9.41%	8.57%	7.62%	7.62%
जापान	%	8.29%	5.99%	26.96%	24.21%	24.21%
दक्षिण अफ्रीका	%	27.57%	25.23%	20.85%	19.99%	19.99%
ताइवान	%	59.94%	58.77%	41.30%	46.00%	46.00%
संबद्ध देश	%	100.00%	99.39%	97.68%	97.82%	97.82%
अन्य देश	%	0.001%	0.61%	2.32%	2.18%	2.18%
कुल	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%
मांग	मी.टन	29,850	31,021	45,988	42,355	52,943
भारतीय उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***	***
निम्नोक्त के संबंध में सबद्ध आयात						
मांग	%	90.35%	88.16%	86.78%	84.00%	84.00%
भारतीय उत्पादन	%	930.88%	786.03%	760.97%	606.17%	606.17%

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र क्षति अवधि में विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों में समग्र रूप से और देश में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है, लेकिन जांच अवधि में उसमें गिरावट आई है। तथापि, संचयी रूप से देश में कुल आयातों का अधिकांश हिस्सा संबद्ध आयातों का है।

(ख) पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

57. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इसका विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में आरोपित पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की जा रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक ह्रास करते या कीमतों में वृद्धि को रोकते, जो कि सामान्य दशा में अन्यथा अत्यधिक मात्रा में हो गई होती।

58. तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनिकरण, यदि कोई हुआ है, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निबल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

(1) कीमत में कटौती

59. कीमत में कटौती का निर्धारण, संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना, भारत में घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली के साथ करके किया गया है।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
निबल बिक्री वसूली	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
समग्र संबद्ध देश					
पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	87,876	100,780	70,940	62,612
कीमत कटौती	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	सीमा	10-20%	नकारात्मक	0-10%	0-10%
चीन					
पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	79,271	97,365	76,299	71,537
कीमत कटौती	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	सीमा	20-30%	0-10%	नकारात्मक	नकारात्मक
जापान					
पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	83,463	93,150	65,474	59,770
कीमत कटौती	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	सीमा	10-20%	0-10%	10-20%	0-10%
दक्षिण अफ्रीका					
पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	89,449	101,355	71,281	62,426
कीमत कटौती	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	सीमा	5-15%	नकारात्मक	0-10%	0-10%
ताइवान					
पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	88,364	101,856	73,225	62,712
कीमत कटौती	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	सीमा	10-20%	नकारात्मक	0-10%	0-10%

60. उपरोक्त तालिका से यह देखा गया है कि चीन को छोड़ कर संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत, जांच अवधि के दौरान घरेलू कीमतों में कटौती कर रही है।

61. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि आयात मुख्यतया बल्क दशाओं में होते हैं और निर्यातक आयात मद के एक खतरनाक रसायन होने के कारण ग्राहक को सामग्री भेजने के लिए निर्यातकों को दो-तरफा भाड़े की लागतों पर व्यय करना पड़ता है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि जब कि आयात कीमत में समस्त भाड़े की लागत को शामिल किया जाता है, घरेलू उद्योग की कीमतों को कारखाना-गत स्तर पर लिया जाता है। तदनुसार, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि दो विकल्पों (1)

पहुंच कीमत में एक तरफा भाड़े को हटाने अथवा (2) घरेलू बिक्री कीमत में पैकिंग लागत को जोड़ने, में से किसी एक विकल्प का प्रयोग करके कीमत में कटौती होने का परिकलन किया जाए।

62. इस संबंध में प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सकारात्मक कीमत कटौती के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित समायोजन तर्कसंगत नहीं है। निर्यातकों ने भाड़े की ऐसी वास्तविक लागत सूचित की है, जो उन्होंने तृतीय पक्षकार के संभारतंत्र सेवा प्रदायक को अदा की है और इसका सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है और इसलिए कारखाना-गत निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य का निर्धारण, निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि उत्पाद को द्रव के रूप में बेचा जाता है, इसलिए ऐसा कोई व्यय नहीं है, जिसे स्पष्टतया विशिष्ट पैकेजिंग के संविभाजित स्वीकृत किया जाता है, जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा आरोपित किया गया है।

63. प्राधिकारी इस संबंध में घरेलू उद्योग और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को और साथ ही प्राधिकारी की विगत पद्धति को भी नोट करते हैं। इसलिए प्राधिकारी सुसंगत पद्धति के अनुसार पहुंच मूल्य की तुलना करने की सुसंगत पद्धति का अनुसरण करते हैं।

(2) कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

64. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात, घरेलू कीमतों का ह्रास कर रहे हैं अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अत्यधिक स्तर पर कीमत ह्रास हुआ है और कीमत में वृद्धि करने में रुकावट आई है, जो कि सामान्य स्थिति में अन्यथा अत्यधिक सीमा तक हो जाती, प्राधिकारी क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में हुए परिवर्तन को नोट करते हैं। इसकी स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
बिक्रियों की लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	97	86	81
बिक्री कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	98	74	65
पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	87,876	100,780	70,940	62,612
सूचीबद्ध		100	115	81	71

65. घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और बिक्री कीमत तथा संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना करने से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से पहुंच कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों का अत्यधिक ह्रास कर रही थीं। इसके अतिरिक्त समस्त क्षति अवधि में आयातों की पहुंच कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत के स्तर से नीचे बनी रही हैं।

(3) कम कीमत पर बिक्री

66. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री किए जाने की भी जांच की है। यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	यूनिट	चीन	जापान	दक्षिण अफ्रीका	ताइवान
क्षति-रहित कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए/मी.टन	71,537	59,770	62,426	62,712
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	सीमा %	10-20%	30-40%	25-35%	25-35%

67. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

(ग) मात्रात्मक प्रभाव और कीमत प्रभाव पर निष्कर्ष

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समस्त क्षति जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक मात्रा में पाटित आयात हुए हैं। इसके अतिरिक्त इन आयातों के परिणामस्वरूप बाजार में अत्यधिक कीमत हास हुआ है। यह देखा गया है कि पाटित आयात घरेलू कीमतों में अत्यधिक कटौती कर रहे हैं और कम कीमत पर बिक्री हो रही है। जांच अवधि के दौरान आयातों की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत के स्तर से अत्यधिक नीचे है। पाटित आयातों का घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमतों पर अत्यधिक क्षति प्रभाव पड़ा है।

छ. 4.3 घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक प्राचलों की जांच

69. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

70. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक प्राचलों का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

(क) क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग और बिक्रियों का प्रभाव

71. प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा पर विचार किया है और वे निम्नानुसार नोट करते हैं:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि- वार्षिकीकृत	जांच अवधि
क्षमता	मी.टन	5,000	7917	12,000	12,000	15,000
उत्पादन	मी.टन	2,897	3479	5245	5869	7336
प्रवृत्ति		100	120	181	203	203
क्षमता उपयोग	मी.टन	57.94%	43.95%	43.71%	48.91%	48.91%
प्रवृत्ति		100	76	75	84	84
घरेलू बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	122	178	208	208
मांग	मी.टन	29,850	31,021	45,988	42,355	52,943
प्रवृत्ति		100	104	154	142	177

72. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि -

- (1) घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद के लिए अत्यधिक मांग को ध्यान में रखते हुए क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता को बढ़ाया है।
- (2) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि में उसकी 50% से भी अधिक क्षमता अनप्रयुक्त रही है।

(ख) मांग में घरेलू उद्योग के बाजार का हिस्सा

73. घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है जिसका उल्लेख नीचे किया गया है। यह नोट किया जाता है कि समस्त क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार का हिस्सा कम बना रहा है।

बाजार का हिस्सा	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
घरेलू उद्योग	%	9.65%	11.30%	11.15%	14.13%
संबद्ध देश	%	90.35%	88.16%	86.78%	84.00%
अन्य देश	%	0.00%	0.55%	2.06%	1.87%
कुल	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

(ग) भंडार/मालसूचियां

74. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के औसत मालसूची के स्तरों ने वृद्धि दर्शाई है, लेकिन मालसूची का स्तर स्वतः नीचे है (जो कि एक सप्ताह के उत्पादन के स्तर के लगभग बराबर है)।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
औसत मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	89	192	276

(घ) लाभ, नकदी लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ

75. लाभ, नकदी लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच की गई थी, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि वार्षिकीकृत	जांच अवधि
विक्रियों की लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	97	86	81	81
विक्री कीमत	रुपए/ मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	98	74	65	65
लाभ/हानि	रुपए/मी.टन	***	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति		100	157	(331)	(457)	(457)
लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति		100	190	(588)	(950)	(1,188)
नकदी लाभ	लाख रुपए	***	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति		100	173	(363)	(622)	(778)
व्याज और कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति		100	158	(178)	(315)	(393)
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	***	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति		100	90	(56)	(92)	(92)

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2015-16 में घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है और जांच अवधि में वह और भी बदतर हो गया है। जांच अवधि में उसके घाटों और नकदी घाटों में वृद्धि हुई है और उसका निवेश पर प्रतिलाभ नकारात्मक था।

(ड) रोजगार, वेतन और उत्पादकता

77. नीचे तालिका में यह देखा जा सकता है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग में रोजगार और उसके द्वारा अदा किए गए वेतन और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। इसलिए ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि पाटित आयातों के कारण रोजगार, वेतन और उत्पादकता की प्रवृत्तियां प्रभावित हुई हैं।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि -वार्षिकीकृत
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	120	125	125
वेतन		***	***	***	***
	लाख रुपए				
प्रवृत्ति		100	122	166	184
उत्पादकता प्रति दिवस	मी.टन/दिवस	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	120	181	203
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	मी.टन/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	100	145	162

(च) संवृद्धि

78. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के संवृद्धि के प्राचलों की जांच करने से पता चलता है कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन ने उत्पादन, बिक्रियों की मात्रा और बाजार के हिस्से के रूप में सुधार दर्शाया है। तथापि, पाटित आयातों के कारण लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ जैसे कीमत प्राचलों के संबंध में घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग की क्षमता अनप्रयुक्त बनी रही है।

संवृद्धि	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि - वार्षिकीकृत
उत्पादन	%	-	20%	51%	12%
बिक्रियां	%	-	22%	46%	17%
क्षमता उपयोग	%	-	-14%	0%	5%
लाभ/हानि प्रति यूनिट	%	-	57%	-311%	-38%
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	-	-1.03%	-14.88%	-3.65%
घरेलू उद्योग का बाजार का हिस्सा	%	-	1.65%	-0.15%	2.98%

(छ) पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

79. प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है बल्कि यह बहुत अधिक भी है।

(ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री की कीमतों ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर अत्यधिक दबाव डाला है, जिसके कारण उसे वित्तीय क्षति हुई है। उत्पाद का पाटन करने वाले संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से नीचे था, जिसके कारण घरेलू उद्योग को भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी है।

(झ) नए निवेश जुटाने की क्षमता

81. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान देश में बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता का विस्तार किया है। घरेलू उद्योग का दावा है कि उसने अपनी क्षमता का और विस्तार करने की योजना बनाई हुई है।

छ. 4.4 क्षति पर निष्कर्ष

82. आर्थिक क्षति से संबंधित विभिन्न प्राचलों पर विचार करते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि -

- (क) समग्र रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक पाटित आयात हुए हैं।
- (ख) क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई है, लेकिन जांच अवधि में उनमें गिरावट आई है।
- (ग) संबद्ध आयातों की पहुंच कीमतें, घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत से नीचे थीं।
- (घ) क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में भी वृद्धि हुई है। तथापि, क्षमता अनप्रयुक्त बनी रही है।
- (ङ) वर्ष 2015-16 और जांच अवधि के दौरान लाभ, नकदी लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ प्रतिकूल रहा है।
- (च) संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन सकारात्मक और अत्यधिक है।

ज. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

83. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना करने से जांच अवधि के दौरान सकारात्मक क्षति मार्जिन का पता चलता है।

देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमतम अमरीकी डालर प्रति मी.टन	पहुंच मूल्य अमरीकी डालर प्रति मी.टन	क्षति मार्जिन अमरीकी डालर प्रति मी.टन	क्षति मार्जिन भारतीय रुपए प्रति मी.टन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % सीमा
दक्षिण अफ्रीका	ससोल साउथ अफ्रीका (प्राइवेट) लिमिटेड	ससोल मिडल ईस्ट एफजेडसी ओ	***	***	***	***	***	30-40
दक्षिण अफ्रीका	अन्य		***	***	***	***	***	60-70
ताइवान	टासको केमिकल कार्पोरेशन	सोजिट्ज एशिया प्रा. लि. के माध्यम से ताइवान फील्डरिच	***	***	***	***	***	30-40

		कापोरिशन (टीएफस) ताइवान फील्डरिच कापोरिशन (टीएफस)						
ताइवान	अन्य		***	***	***	***	***	80-90
जापान	सभी		***	***	***	***	***	30-40%
चीन	सभी		***	***	***	***	***	10-20%

84. नियमावली को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति से संबंधित विभिन्न प्राचल समग्र रूप से और संचयी रूप से यह सिद्ध करते हैं कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है। आर्थिक क्षति को ध्यान में रखते हुए क्षति के खतरे की जांच करना अनिवार्य प्रतीत नहीं होता है।

कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

85. पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से भिन्न किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करना भी अपेक्षित होता है, जिनके कारण उस समय घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, ताकि ऐसे अन्य कारकों के कारण होने वाली क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं माना जाए।

86. इसकी जांच की गई थी कि क्या पाटन-रोधी नियमावली में सूचीबद्ध निम्नलिखित कारक भी घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

(क) तृतीय देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि में तृतीय देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा कम थी। इस प्रकार तृतीय देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

(ख) निर्यात कीमत

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग ने कोई निर्यात नहीं किए थे। इसलिए लाभप्रदता केवल घरेलू उद्योग से संबंधित है।

(ग) प्रौद्योगिकी का विकास

89. प्रौद्योगिकी में विकास के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई मुद्दा नहीं उठाया है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(घ) कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकादाता द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का कार्य-निष्पादन, घरेलू उद्योग की क्षति का संभावित कारण प्रतीत नहीं होता है।

(ङ) व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धतियां विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

91. संबद्ध वस्तुओं के आयात पर किसी भी तरीके से कोई प्रतिबंध नहीं है और उनका देश में स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। घरेलू उत्पादक संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। घरेलू उद्योग की कीमत, संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमतों से पर्याप्त रूप से प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे पता चलता हो कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन हुआ है।

(च) मांग में संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन

92. यह नोट किया जाता है कि विगत वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध वस्तुओं की मांग में मामूली गिरावट आई है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(छ) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की वही प्रवृत्ति रही है, जैसे कि उत्पादन की रही है और यह वृद्धि दर्शाती है। उत्पादकता में गिरावट, घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

झ.1 कारणात्मक संबंध के लिए विश्लेषित कारक

94. प्राधिकारी निम्नोक्तानुसार नोट करते हैं:-

(क) संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत ह्रास प्रभाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को घाटे हुए हैं।

(ख) पाटित आयातों के परिणाम का सीधा प्रभाव, नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिलाभ और नकदी घाटे हैं।

95. उपरोक्त तथ्यों और विश्लेषण से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हुई है।

96. जांच की कार्यवाही के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किए गए और वर्तमान प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा विश्लेषित किए गए जांच के अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन, हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष किया जा रहा है ताकि हितबद्ध पक्षकार इन तथ्यों पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कर सकें।

ट. प्रकटन विवरण पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

97. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण पश्चात टिप्पणियां प्राप्त हो गई हैं। उसमें उठाए गए अधिकतर मुद्दों को जांच की कार्यवाही के दौरान पहले भी उठाया गया है और उनका उचित ढंग से निदान कर दिया गया है। अतिरिक्त निवेदनों का विश्लेषण निम्नानुसार है :-

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

98. प्रकटन विवरण पर घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

(क) याचिकादाता एक पात्र घरेलू उद्योग है और उसका याचिका दायर करने के लिए पर्याप्त आधार है।

(ख) सोजिट्ज के निर्यातों के मामले में यह स्पष्ट नहीं है कि भारत में निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने अर्थात् सोजिट्ज अथवा टीएफसी अथवा टास्को की निर्यात कीमत में से किसकी निर्यात कीमत पर विचार किया है। सोजिट्ज की कमीशन और लाभ मार्जिन को घटा दिया जाना चाहिए।।

(ग) चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य उत्पादन की वास्तविक लागत पर आधारित होना चाहिए और न कि उत्पादन की सामान्य काल्पनिक लागत के आधार पर क्योंकि उन्होंने जांच में सहयोग नहीं दिया है।

(घ) घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हुई है क्योंकि पाटित आयातों की मात्रा और बाजार का हिस्सा इतना अधिक था कि घरेलू उद्योग अपनी मौजूदा क्षमता के आधे भाग का भी उपयोग नहीं कर सका है।

(ङ.) पाटित आयातों ने घरेलू कीमतों में ह्रास किया है, जिसके फलस्वरूप उसे वित्तीय हानि, नकदी घाटे तथा निवेश पर नकारात्मक प्रतिलाभ हुआ है।

(च) निर्यातकों के एफओबी लदान के मामले में प्राधिकारी आयातक द्वारा अदा किए गए समुद्री भाड़े को जोड़ते हैं। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाता है तो घरेलू उद्योग की पैकिंग लागत और घरेलू उद्योग पर भाड़े की लागत को घरेलू उद्योग की विक्री कीमत का निर्धारण करते समय शामिल किया जाना चाहिए।

(छ) याचिकादाता, हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का खंडन करता है कि उत्पाद द्रव रूप में हैं और इसलिए ऐसा कोई व्यय नहीं हुआ है, जिसे विशिष्ट पैकिंग के साथ जोड़ा जाए। उत्पाद के द्रव रूप में होने के मात्र से यह स्पष्ट नहीं होता है कि पैकिंग की संभावना नहीं है। जबकि, घरेलू उद्योग ने पैक और खुले दोनों रूप में सामग्री को बेचा है, चूंकि निर्यातकों ने सामग्री को खुले रूप में बेचा है, इसलिए घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच उचित तुलना को

प्रभावित करता है और निर्दिष्ट प्राधिकारी को कीमत कटौती के साथ-साथ क्षति मार्जिन का परिकलन करते समय उसको उचित रूप से समायोजित करना चाहिए।

- (ज) पाटित आयातों के परिणामस्वरूप अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हुई है।
- (झ) प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है।
- (ट) पैकिंग और और भाड़े की लागत के लिए आवश्यक समायोजन करने के बाद अमरीकी डॉलर में तथा निर्धारित रूप में पाटनरोधी शुल्क अभिव्यक्त करने की सिफारिश किए जाने की आवश्यकता है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

99. प्रकटन विवरण पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

1. याचिकादाता ने भले ही अपने आयात आंकड़ों पर गोपनीयता का दावा किया है लेकिन आयात के आंकड़ों को शृंखलाओं में प्रदान किया जाना चाहिए ताकि उन पर सार्थक टिप्पणियां प्रस्तुत की जा सकें कि क्या ऐसे आयात अत्यधिक हुए हैं अथवा नहीं।
2. माननीय प्राधिकारी ने जांच शुरू करते समय जांच की अवधि 1 जुलाई, 2015 से 30 सितंबर, 2016 (15 महीनों) तक की निर्धारित की है, लेकिन याचिकादाता जांच अवधि के अंतिम तीन महीनों के लिए आंकड़े प्रदान करने में विफल रहा है जैसा कि निर्धारित किया गया है क्योंकि याचिका में जुलाई, 2015 से जून, 2016 तक के 12 महीनों की अवधि के आंकड़े निहित हैं।
3. निर्यातक नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए माननीय प्राधिकारी ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों पर विचार किया है जैसाकि माननीय प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया है।
4. याचिकादाता द्वारा सूचित किए गए क्षमता के आंकड़ों के संबंध में किए गए विस्तृत निवेदनों का निदान प्रकटन विवरण में कर दिया गया है। क्षमता के आंकड़ों के संबंध में स्पष्ट उल्लेख किए बिना क्षमता उपयोग और क्षति का कोई सार्थक विश्लेषण नहीं किया जा सकता है।
5. यह निवेदन है कि यदि कुछ क्षति प्राचल सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाते हैं तो माननीय प्राधिकारी को ऐसे अकाट्य कारण प्रदान करने चाहिए कि बाजार का हिस्सा, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, क्षमता पर प्रभाव, उत्पाद और क्षमता उपयोग और बिक्रियों, रोजगार, वेतन और उत्पाद तथा लाभ पर प्रभाव जैसे कुछ क्षति प्राचलों के बावजूद घरेलू उद्योग को क्यों क्षति हुई है।
6. माननीय प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे पाटन से भिन्न ऐसे कारकों पर विचार करें जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है और पाटन को क्षति के लिए जिम्मेदार न ठहराएं अपरिष्कृत उत्पाद की कीमतों में कीमतों में गिरावट आने का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है, पहुंच कीमत और बिक्री कीमत के बीच कोई सह-संपर्क नहीं है (क्योंकि जब माननीय प्राधिकारी द्वारा सूचित किए गए लाभप्रदता के आंकड़ों पर आधारित बिक्री कीमत सही प्रतीत नहीं होती है) और याचिकादाता ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि उसका संयंत्र बंद पड़ा हुआ है।
7. इस तथ्य को ध्यान में देखते हुए कि क्षतिरहित कीमत का परिकलन करने के संबंध में समग्र सूचना को गोपनीय रखा गया है, निर्यातक कोई सार्थक टिप्पणी देने में असमर्थ हैं। निर्यातकों के पास इस संबंध में, किसी भी प्रकार का दावा करने के अपने अधिकार सुरक्षित हैं।
8. आयातक ने अनुरोध किया है कि शुल्क को कीमत के रूप में उल्लिखित किया जाना चाहिए। यदि नीयत रूप अथवा सम मूल्य शुल्क लगाया जाता है तो निर्यातकों और उत्पादकों को बड़ी हुई कीमतों पर निर्यात करने के लिए अनुचित दंडित किया जाता, भले ही मौजूदा आयात कीमत परिकलित क्षतिरहित कीमत से अधिक होती। दूसरी ओर शुल्क के रूप में उल्लिखित कीमत ज्यादा उचित होती क्योंकि इससे ऐसे आयातकों पर अनावश्यक शुल्क लागू नहीं होते जो दहलीज पर उल्लिखित कीमत से अधिक कीमत पर सामग्री का आयात करते हैं। इस प्रकार, आयात की अधिक कीमत चुकाते हैं।
9. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों (चीन को छोड़कर) से विचाराधीन उत्पाद के आयातकों द्वारा सकारात्मक कीमत कटौती करने के प्राधिकारी का निर्धारण अस्पष्ट है जबकि तथ्य यह है कि याचिकादाता ने संशोधित याचिका में स्वतः

सभी देशों से नकारात्मक कीमत कटौती का उल्लेख किया है। प्राधिकारी ने पहुंच कीमत पर किसी भी प्रकार का समायोजन नहीं करने की मानक पद्धति का अनुपालन किया है। इस संबंध में प्राधिकारी को स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है।

10. स्वतः मूल वर्ष से घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है और उसके बाजार के हिस्से में वर्ष 2014-15 से 2015-16 तक की अवधि में 0.15 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई है। जांच अवधि में उसके बाजार के हिस्से में वर्ष 2015-16 की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।
11. खपत के भाग के रूप में आयातों में सीधी गिरावट आई है जोकि आधार वर्ष में 90 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि में 84 प्रतिशत रह गया है और साथ ही उत्पादन के भाग में भी गिरावट आई है जोकि आधार वर्ष में 930 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि में 606 प्रतिशत रह गया है।
12. घरेलू उद्योग द्वारा अपनी संशोधित याचिका में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर जिनमें वर्ष 2014-15 में उसकी क्षमता 7917 मी.ट. से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 12,000 मी.ट. दर्शायी गई है, प्राधिकारी यह समझने में विफल रहे हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में क्षमता में वृद्धि होना, व्यावहारिक रूप से बहुत कम अवधि के भीतर उत्पादन के लिए प्रयुक्त/समंजित नहीं की जा सकती है।
13. जबकि प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद पर अत्यधिक घाटे हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसकी जांच नहीं की है कि घरेलू उद्योग एक उत्पाद के संबंध में कैसे लाभ अर्जित कर रहा है, जबकि उसी समय घरेलू उद्योग को अन्य उत्पाद में घाटे हो रहे हैं।
14. याचिकादाता को वित्तीय और प्रचालनात्मक घाटे नए एमआईबीके यूनिट के कारण हुए हैं जिसके लिए उसने अत्यधिक पूंजीगत व्यय किया है।
15. जैसा कि प्राधिकारी ने स्वयं नोट किया है, रोजगार, घरेलू उद्योग द्वारा अदा किए गए वेतन और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि हालांकि, मालसूची के स्तर में वृद्धि हुई है, वे अभी भी लगभग सप्ताह के उत्पादन के स्तर पर ही बने हुए हैं। इस प्रकार, इन प्राचलों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
16. याचिकादाता मुख्य दो उत्पादों – एमईके (विचाराधीन उत्पाद) और एसबीए का उत्पादन करने में लगा हुआ है। एमईके विनिर्माता के लिए एसबीए एक फीडबैक है। याचिकादाता केवल एसबीए पर ही ध्यान संकेन्द्रित कर रहा है और अच्छा लाभ अर्जित कर रहा है। इसलिए घरेलू उद्योग शुल्क लागू करने के बाद भी एमईके का उत्पादन नहीं बढ़ाएगा।
17. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्रियों पर कम वसूली वैश्विक अपरिष्कृत तेल से प्राप्त कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के कारण हुई है जिनमें विगत कुछ वर्षों में स्वतः गिरावट आई है।
18. पाटन क्षति तालिका और क्षति मार्जिन तालिका में सोजिट्ज एशिया प्रा.लि. का पूरा नाम उल्लिखित नहीं किया गया है। पाटनरोधी शुल्क लागू करने की स्थिति में सीमा प्राधिकारियों को किसी प्रकार की भ्रांति न हो, इससे बचने के लिए इनका पूरा नाम उल्लिखित किया जाना चाहिए।
19. प्राधिकारी ने कोई यथोचित कारण बताए बिना याचिकादाता के गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है।
20. ऐसे प्रतिवादी के लिए अधिक पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है जिसने प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है, जबकि चीन और जापान से असहयोगी प्रयोज्यताओं के लिए कम पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है। इस प्रकार, एक असंगत स्थिति पैदा कर दी गई है। इसको ध्यान में रखते हुए ताइवान से मैथिल, एथिल, कीटोन के आयातों के खिलाफ पाटनरोधी जांच को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकतर निवेदन दोहराए गए हैं और इनका निदान प्रकटन विवरण में पहले से ही कर दिया गया है। उपरोक्त जांच परिणामों में पक्षकारों के इन तर्कों का निदान कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्रासंगिक पाए गए ऐसे निवेदनों की जांच की है, जिनका निदान पहले नहीं किया गया है, जोकि निम्नानुसार है :-

- (क) सोजिट्रज एशिया प्रा.लि. द्वारा निर्यातों के मामले में निर्यात कीमत के निर्धारण के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने में उचित रूप से सभी कटौतियां की गई हैं और समायोजन किया गया है।
- (ख) चीन के उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि चीन के उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था, इसलिए उनके लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य संरचित किया गया है।
- (ग) बड़ी हुई जांच अवधि की जांच करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच शुरू करते समय विगत में भी अनेक मामलों में जांच अवधि को बढ़ाया गया है ताकि जांच अवधि को जांच की अत्यधिक सार्थकता के तथ्य को बनाए रखने के लिए यथासंभव नवीनतम बनाया जा सके। फिर भी प्राधिकारी ने बड़ी हुई जांच अवधि सहित संपूर्ण आंकड़ों के आधार पर जांच संचालित की है। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाता है कि एक हितबद्ध पक्षकार ने स्वयं स्टील पाइप्स और ट्यूब्स पर पाटनरोधी शुल्कों में मैक्सिको में डब्ल्यूटीओ पैनल के प्रेक्षकों का हवाला दिया है जोकि विपरीत है:

पैनल ने अपनी रिपोर्ट के पैरा 7.234 में यह पाया है कि हम यह मानते हैं कि अपनी सार्थक क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ जांच शुरू करने से पूर्व यदि कोई अद्यतन आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं तो वह आर्थिक व्यवस्था के लिए उपयुक्त और वांछनीय होता है।

"प्राधिकारी ने दो विकल्पों पर विचार किया था अर्थात् जांच शुरू करने की तारीख से पहले 8 महीनों की जांच अवधि पर आधारित जांच शुरू की जाए अथवा जांच अवधि में परिवर्तन कर दिया जाए ताकि वह जांच शुरू करने की तारीख से निकटस्थ अवधि में हो जिससे कि क्षति विश्लेषण करने के लिए अद्यतन आंकड़े प्राप्त किए जा सकें। "

- (घ) घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच उचित तुलना करने के लिए याचिकादाता के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने खुले रूप में उसी स्तर पर आयातित और घरेलू उत्पाद के बीच तुलना की है।
- (ङ.) पाटन से भिन्न कारकों की जांच करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने उपरोक्त पैराओं में गैर-आरोपण विश्लेषण किया है।
- (च) हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि कुछ क्षति प्राचलों द्वारा सकारात्मक वृद्धि दर्शाए जाने के बावजूद भी घरेलू उद्योग को क्षति क्यों हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी क्षति प्राचल अनिवार्य रूप से आर्थिक क्षति के विद्यमान होने का निर्धारण करने के लिए गिरावट नहीं दर्शाते हैं।

ईसी-बैड लाइन के मामले में डब्ल्यू टी ओ की पैनल रिपोर्ट में इस तथ्य की संपुष्टि होती है, जिसमें पैनल ने निम्नानुसार उल्लेख किया है :

"क्षति का विश्लेषण अनुच्छेद 3.4 के कारकों का विशिष्ट रूप से अथवा पृथक रूप से मूल्यांकन नहीं दर्शाता है। न ही यह आवश्यक है कि सभी कारक नकारात्मक प्रवृत्तियां अथवा गिरावट दर्शाएं। विश्लेषण और निष्कर्ष करते समय प्रत्येक कारक पर विचार किया जाना चाहिए, प्रत्येक कारक की प्रासंगिकता अथवा उसकी कमी का निर्धारण किया जाना चाहिए तथा विशिष्ट उद्योग के परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक कारकों पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए ताकि घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में उचित निष्कर्ष निकाला जा सके। "

- (छ) पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि याचिकादाता को उसके नए एमआईबीके यूनिट के कारण वित्तीय और प्रचलनात्मक घाटे हुए हैं, जिसके लिए उसने अत्यधिक पूंजीगत व्यय किया है, यह नोट किया जाता है कि केवल विचाराधीन उत्पाद की सूचना को पृथक करने के बाद क्षति विश्लेषण किया गया है।
- (ज) पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि ऐसे प्रतिवादी के लिए अधिक पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, जिसने प्राधिकारी को सहयोग दिया है, जबकि चीन और जापान से असहयोगी प्रयोज्यताओं के लिए कम पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने उचित प्रक्रिया का अनुसरण किया है तथा रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विश्लेषण किया है।
- (झ) पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से (चीन को छोड़कर) विचाराधीन उत्पाद के आयातकों द्वारा सकारात्मक कीमत कटौती का निर्धारण स्पष्ट नहीं है, प्राधिकारी यह दोहराते हैं कि कीमत कटौती का निर्धारण, घरेलू उद्योग के सत्यापित आंकड़ों और आयातों के पहुंच मूल्य के आधार पर किया गया है।

- (ट) पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में याचिकादाता केवल एसबीए पर ही ध्यान संकेन्द्रित कर रहा है और वह शुल्क लागू करने के बाद भी एमईके का उत्पादन नहीं बढ़ाएगा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि याचिकादाता एसबीए के लिए समग्र भारतीय मांग को पूरा करता है तो भी उसके पास एसबीए की पर्याप्त क्षमता बची रहेगी, जिससे वह एमईके का विनिर्माण कर सकता है। इसलिए हितबद्ध पक्षकारों के इस निवेदन की कोई महत्ता नहीं है।

भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

101. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में अच्छी प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय जारी रखने से पाटन परिपाटियों द्वारा लिए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की कमी दूर होगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। उपभोक्ता आज ही दो या उससे अधिक आपूर्ति के स्रोतों को बनाए रख सकते हैं। पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का उन्मूलन करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके जो कि देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से, संबद्ध देशों से आयात पर किसी भी दशा में प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो अथवा उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

सिफारिशें

102. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदनों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

(क) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात, सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है।

(ख) घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध आयातों के कारण आर्थिक क्षति हुई है।

103 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी। पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्यहितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है। इस मामले के वास्तविक सांचे को ध्यान में रखते हुए उल्लिखित कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है केवल 3 वर्षों की अवधि के लिए।

104. इस प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क नियम के संबंध में, प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से कमतर के समतुल्य निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति से बचाया जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 8 में दर्शाई गई राशि तथा संबद्ध सामानों के पहुँच मूल्य के बीच अंतर के रूप में लगाने की सिफारिश करते हैं केवल 3 वर्षों की अवधि के लिए बशर्ते कि पहुँच मूल्य कॉलम 8 में दर्शाए गए मूल्य से कम हो।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उपशीर्ष/टैरिफ मद	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	सासोल दक्षिण अफ्रीका (पीटीवाई) लि.	सासोल मिडिल ईस्ट एफजैडसीओ	1,224.36	मी.ट.	अम.डॉ.
2	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	उपर्युक्त (1) से इतर अन्य कोई संयोजन		1,224.36	मी.ट.	अम.डॉ.

3	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	दक्षिण अफ्रीका	कोई	कोई	कोई	1,224.36	मी.ट.	अम.डॉ.
4	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	कोई	दक्षिण अफ्रीका	कोई	कोई	1,224.36	मी.ट.	अम.डॉ.
5	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	ताइवान	ताइवान	टीएससीओ कैमिकल कॉर्पोरेशन	सोजिट्ज एशिया प्रा. लि. के माध्यम से ताइवान फील्डरिच कॉर्पोरेशन (टीएफस) ताइवान फील्डरिच कॉर्पोरेशन (टीएफस)	1,112.95	मी.ट.	अम.डॉ.
6	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	ताइवान	ताइवान	उपर्युक्त (5) से इतर अन्य कोई संयोजन		1,112.95	मी.ट.	अम.डॉ.
7	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	ताइवान	कोई	कोई	कोई	1,112.95	मी.ट.	अम.डॉ.
8	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	कोई	ताइवान	कोई	कोई	1,112.95	मी.ट.	अम.डॉ.
9	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	जापान	जापान	कोई	कोई	1,065.66	मी.ट.	अम.डॉ.
10	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	जापान	कोई	कोई	कोई	1,065.66	मी.ट.	अम.डॉ.
11	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	कोई	जापान	कोई	कोई	1,065.66	मी.ट.	अम.डॉ.
12	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	चीन	चीन	कोई	कोई	1,147.06	मी.ट.	अम.डॉ.

13	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	चीन	कोई	कोई	कोई	1,147.06	मी.ट.	अम.डॉ.
14	29141200	मिथाइल इथाइल कीटोन अथवा एमईके	कोई	चीन	कोई	कोई	1,147.06	मी.ट.	अम.डॉ.

* सीमाशुल्क का वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह इस जांच के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

105. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयात का पहुँच मूल्य सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर उसमें सीमा शुल्क के सभी शुल्क शामिल होंगे।

घ. आगे की प्रक्रिया :

106. केन्द्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिए जाने के बाद इस अंतिम जांच परिणाम के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जाएंगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 2018

FINAL FINDINGS

Subject: - Anti-dumping investigation concerning imports of “Methyl Ethyl Ketone” or MEK, originating in or exported from China PR, Japan, South Africa and Taiwan.

F. No. 14/26/2016-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules) thereof M/s Cetex Petrochemicals Limited (hereinafter also referred to as “the petitioner” or “the applicant”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as “the Authority”) in accordance with the Act and the AD Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Methyl Ethyl Ketone” or MEK (also referred to as “the subject goods”), originating in or exported from China PR, Japan, South Africa and Taiwan (also referred to as “the subject countries”) and requested for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

2. Whereas, the Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No. 14/26/2016 -DGAD dated 9th February, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to this subject investigation:

- i. The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the AD Rules.
- ii. The Authority issued a Notification dated 9th February, 2017, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- iii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.
- iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters, known importers and to the embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
- v. The Authority sent exporter's questionnaire to the following known producers/exporters in the subject countries, whose details were made available by the applicant, to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Guangzhou Lify Chemicals Co. Ltd., China PR
 - b. Qingdao Hisea Chem Co. Ltd, China PR
 - c. Xilan Chemicals Co. Ltd., China PR
 - d. Tianjin Jiateng Chemical Products Co. Ltd., China PR
 - e. **Zibo Xiangda Chemical Co. Ltd.**, China PR
 - f. Maruzen Petrochemical Co. Ltd., Japan
 - g. Idemitsu Kosan Co. Ltd., Japan
 - h. TASCOS Group, Taiwan
 - i. Ronder Corporation, Taiwan
 - j. LCY Chemical Corp., Taiwan
 - k. Sasol Limited, South Africa
 - l. Tag Solvent Products (Pty) Ltd., South Africa
- vi. The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
- vii. The following producers/exporters from the subject countries filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:
 - a. Sasol South Africa (Pty) Ltd., South Africa
 - b. Sasol Middle East FZCO, Jebel Ali, UAE
 - c. TASCOS Chemical Corporation, Taiwan
 - d. Sojitz Asia Pte. Ltd., Singapore
- viii. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations, whose names and addresses were made available to the authority, of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):

- a. Haresh Petrochem Pvt. Ltd., Mumbai
 - b. Crescent Organics Pvt. Ltd., Mumbai
 - c. C J Shah & Company, Mumbai
 - d. Chemedge International Pvt. Ltd., Mumbai
 - e. Hazel Mercantile Ltd., Mumbai
 - f. Pon Pure Chem (P) Ltd., Chennai
 - g. Yog International Pvt. Ltd., Mumbai
 - h. Kundan Rice Mills Pvt. Ltd., New Delhi
 - i. Sojit India Pvt. Ltd., Mumbai
 - j. Petrochem Middle East (India) Pvt. Ltd., Mumbai
 - k. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., Vadodara
 - l. Privi Organics Ltd., Navi Mumbai
 - m. Hindustan Polyamides & Fibres Ltd., Mumbai
 - n. Dow Chemicals International Pvt. Ltd., Mumbai
 - o. Flint Group Intida Pvt. Ltd., Navi Mumbai
 - p. Sajjan India Ltd., Mumbai
 - q. Anthea Aromatics Pvt. Ltd., Navi Mumbai
 - r. Sakata Inx (India) Ltd., Gurgaon, Haryana
 - s. U Flex Ltd., NOIDA, UP
 - t. Montage Enterprises Pvt. Ltd., NOIDA, UP
 - u. A S Shoe Accessories (P) Ltd., New Delhi
 - v. Micro Inks Ltd., VAPI
 - w. Bostik India Pvt. Ltd., Bangalore
- ix. The following importers or consumers of the product have filed the importer's questionnaire response in the prescribed format:
- a. CJ Shah & Company
 - b. Eternis Fine Chemicals Ltd.
 - c. Prasol Chemicals Ltd.
- x. Submissions/ comments were filed by Sasol South Africa (Pty) Ltd., South Africa (Producer), Sasol Middle East FZCO, UAE (Exporter) and CJ Shah & Company (Importer).
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file, kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7). Submissions made by all interested parties have been taken into account in the present disclosure statement.
- xii. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation has been considered from July 2015 - September 2016 (15 Months). The injury investigation period has been considered as the period April 2013 - March 2014, April 2014 - March 2015, April 2015 - March 2016 and the POI. Further, since the investigation period is a period of 15 months, all figures/data for the POI have been considered by annualising the same.
- xiii. Additional/supplementary information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry and

exporters/producers was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon.

- xiv. The Non-injurious Price (NIP) is based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules. It has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xv. Information provided by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) on transaction-wise basis for the past three years, and the period of investigation has been adopted for determination of volume and value of imports of product concerned in India.
- xvi. The Authority held an oral hearing on 22nd December, 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6) of AD Rules. All the interested parties who presented their views orally at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were also provided opportunity to offer rejoinder submissions to the submissions made by opposing interested parties.
- xvii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this disclosure statement.
- xviii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xix. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded this disclosure statement on the basis of the facts available.
- xx. *** in this disclosure statement represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate adopted by the Authority during the POI for the subject investigations is 1 US\$= Rs 67.06.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. The product under consideration for the purpose of present investigation is “Methyl Ethyl Ketone” (also referred to as “subject goods” or “MEK”).

B.1. Submissions made by Domestic industry

5. The domestic industry has submitted as follows with regard to product under consideration and like article:

- a. Methyl Ethyl Ketone (MEK) is an organic compound. It is a water white, highly volatile liquid having Acetone-like odour with no cumulative toxicological properties. Methyl Ethyl Ketone is one of the most versatile solvents, capable of dissolving a wide range of substances. This colourless liquid ketone has a sharp, sweet odour reminiscent of butterscotch and acetone. It is produced industrially on a large scale, and also occurs in trace amounts in nature. It is soluble in water and is commonly used as an industrial solvent.
- b. The primary use of methyl ethyl ketone is as a solvent in processes involving gums, resins, cellulose acetate, and cellulose nitrate. Methyl ethyl ketone is also used in the synthetic rubber industry, in the production of paraffin wax, and in household products such as lacquer and varnishes, paint remover, and glues.

- c. MEK is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under sub heading 29141200 of Customs Tariff Act, 1975.
- d. There is no difference in the subject goods produced by the Indian industry and the product exported from the subject countries.
- e. MEK produced by the domestic industry should be treated as like article to the MEK imported from the subject countries in accordance with the Anti-dumping Rules.

B.2. Submissions made by other interested parties

- 6. None of the producers/exporters/other interested parties have made any submissions in this regard.

B.3. Examination by the Authority

7. The product under consideration is Methyl Ethyl Ketone. MEK is an organic compound with the formula $\text{CH}_3\text{C}(\text{O})\text{CH}_2\text{CH}_3$ and is a water white, highly volatile liquid having Acetone-like odour with no cumulative toxicological properties. Methyl Ethyl Ketone is one of the most versatile solvents, capable of dissolving a wide range of substances. This colourless liquid ketone has a sharp, sweet odour reminiscent of butterscotch and acetone. It is produced industrially on a large scale, and also occurs in trace amounts in nature. It is soluble in water and is commonly used as an industrial solvent.

8. The primary use of methyl ethyl ketone is as a solvent in processes involving gums, resins, cellulose acetate, and cellulose nitrate. Methyl ethyl ketone is also used in the synthetic rubber industry, in the production of paraffin wax and in household products such as lacquer and varnishes, paint remover and glues.

9. The product under consideration is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under sub heading 29141200 of Customs Tariff Act, 1975. However, the customs classification is indicative only and in no way binding upon the product scope.

10. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and that exported from the subject countries. Subject goods produced by the petitioner and that imported from the subject countries are comparable, in terms of product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. MEK produced by the domestic industry is technically and commercially substitutable by the imported MEK. The Authority holds that product under consideration produced by the applicant domestic industry is like article to the subject product under consideration imported from the subject countries.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

- 11. Rule 2(b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers.”

C.1. Submissions made by the Domestic industry

- 12. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- a. The petition was filed by M/s Cetex Petrochemicals Limited.
- b. There is no other producer of the subject goods in India. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India. Production of the petitioner constitutes 100% of Indian production of the product under consideration.
- c. The petitioner has itself imported a small volume of subject goods and has also purchased small volume of imported subject goods from traders to fulfil its commitments made to customers when there was a shortfall in the petitioner's production due to plant shut down. The petitioner had to shut down its plant for want of raw material as the plant of raw material supplier (i.e. Chennai Petrochemicals Ltd.) was shut down at that time.

- d. The petitioner has not sold the imported material at significant profits. The company's thrust continues to be on its own production. The petitioner has in fact enhanced its capacities and has future plan to further expand the capacity.
- e. Imports made by the petitioner are insignificant in relation to total imports into India, consumption in India and production by the petitioner.
- f. The petitioner is not related to any exporter in the subject countries or importer of product under consideration in India.
- g. The petitioner therefore, has satisfied the requirement of standing under the Rules and the petitioner constitutes domestic industry under the Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.

C.2. Submissions made by other interested parties

13. Submissions made by other interested parties in this regard are as follows:

- a. The applicant has made the imports of the subject goods from the subject countries and has also bought the imported goods from local traders and therefore is ineligible Domestic industry as per Rule 2(b).
- b. In Anti-dumping duty investigation against imports of Aluminium Foil from China PR dated March 10, 2017 the DA did not consider one of the domestic producers as domestic industry because the Authority found that the company had unduly benefited from such dumping even though the imports by the producer were "not so significant"
- c. Since the petitioner is the sole manufacturer of the PUC in the domestic market, the PUC purchased from the local traders would also have been imported and not domestically manufactured.
- d. The petitioner has not declared anything about the country of origin of the goods that was procured by the petitioner from the local traders.
- e. Even though the petitioner's imports were alleged to be insignificant, they were sold in the domestic market thus allowing the petitioner to benefit from the imports. Reference is invited to Final Findings of Aluminium Foil from China.
- f. Without importing the PUC, the petitioner was unable to meet the requirements of the customers.
- g. The Petitioner has not provided any plausible reasons for importing the material apart from fulfilling customer requirements.
- h. The Authority has not made any determination on 'standing of the domestic industry' after the updation of the period of investigation.

C.3. Examination by the Authority

14. The present application has been filed by M/s Cetex Petrochemicals Limited as the domestic producer of the product under consideration.

15. The Authority notes that the petitioner is the sole producer of the subject goods in India.

16. Regarding the issue of imports from Singapore, the petitioner has stated that though the imports made by the petitioner were invoiced from Singapore, the country of origin of these imports was China. Further, the subject goods purchased by the petitioner from local traders originated in Taiwan. The petitioner has submitted the necessary evidences in support of its claim.

17. The Authority notes that the petitioner has imported the subject goods to meet the customer requirements as there was shortfall in their production caused by shortage of raw material due to plant shutdown of raw material supplier. Further, it is seen that the import made by the petitioner was ***of total imports***of total consumption in the country and nearly ***of the production of the petitioner, which is insignificant.

18. In view of the above facts, the Authority holds that the petitioner constitutes domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules and satisfies the standing requirement in terms of Rule 5(3) of the AD Rules.

D. CONFIDENTIALITY**D.1. Submissions made by the Domestic industry**

19. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- a. The questionnaire responses are totally deficient of relevant information and do not address a number of issues. Further, besides being inadequate and insufficient in terms of information, the responses also do not meet the requirement of proforma prescribed by the Authority.
- b. The information furnished under Appendices 1-9 are clearly not in the format when 'strict adherence' to the proforma has been specifically sought. In the absence of even indexed information, the Domestic Industry is left handicapped to offer its comments on such deficient responses.
- c. The exporters have suppressed vital information such as names of shareholders, production process and sources of procurement of raw material and utilities.
- d. The exporters have denied having received any benefits on exports made, which is untrue.
- e. Response by Sojitz Asia Pte Ltd.(exporter and subsidiary of Sojitz Corporation, Japan) is incomplete and liable to rejection as the corresponding producers have not filed responses. The company has not even disclosed the names of the producers and the countries whose products have been exported to India.
- f. The Designated Authority may kindly disregard the responses of the exporters and declare them as non-cooperative by denial of individual treatment.

D.2. Submissions made by the other interested parties

20. Submissions made by other interested parties in this regard are as follows:

- a. Soft copy of the import data for the updated period of investigation has not been made available in the public file. There should be no reason to withhold the excel version of the transaction-wise import data. Even if there are confidentiality concerns, the relevant columns could be redacted (subject to the requirements of Rule 7, AD Rules).
- b. The petitioner has claimed excessive confidentiality with respect to a number of facts such as consumption factor, petitioner's imports, profit/ loss and adjustments made in calculation of net export price.
- c. While the petition only discloses the imports from Singapore, which is not a subject country in the investigation, the initiation establishes that the petitioner has imported the subject goods from more than one subject country. Further, updated Petition dated March 6, 2017 did not evidence any imports from Singapore.
- d. The petitioner has not declared anything about the country of origin of the goods that was procured by the petitioner from the local traders.
- e. Information submitted as part of costing information can easily be provided in indexed form so as to indicate the trends in Format B, CI, CII, D and E.

D.3. Examination by the Authority

21. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

"7. Confidential information- (1) Notwithstanding anything contained in sub rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2)The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

22. Information provided by the domestic industry as well as other interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not kept in public file.

E. MISCELLANEOUS ISSUES

E.1. Submissions made by the Domestic industry

23. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- a. In response to the issue raised by other parties regarding difference of three months (one quarter) between the period of investigation proposed by the petitioner and the one finalized by the Designated Authority, domestic industry has stated that the Authority has extended the POI by one quarter in a number of investigations and therefore it is not a new phenomenon. Further, the Antidumping Agreement and Antidumping Rules stresses on adoption of POI as close as possible to the initiation date.
- b. Reference to WTO Panel in Mexico – Anti Dumping Duties on Steel Pipes and Tubes is misplaced. In fact, the principle laid down in the decision would justify the act of the Authority as the endeavour is to keep POI as close to the date of initiation as possible.
- c. The interested parties have contended discrepancy in the data filed with the petition and the updated petition post-initiation. It is clarified that the original petition was based on DGCI&S published data. However, the petitioner procured DGCI&S transaction-wise data subsequently. Differences in import data, volume and value of imports between the petition and updated data are because of this reason. Consequentially, there are changes in net export price, dumping margin, landed price, price undercutting and price underselling in the updated data.

E.2. Submissions made by other interested parties

24. Submissions made by other interested parties in this regard are as follows:

- a. Initiation is bad in Law - There is a difference of three months (one quarter) between the proposed period of investigation and the finalized period of investigation. Designated Authority was required to examine the dumping and injury figures for the period of investigation prior to initiating the present investigation. However, the present investigation appears to have been initiated without actually examining the data for the complete period of investigation, which is in violation of the Authority's obligations under Rule 5 and Article 3.1. Reference to WTO Panel in Mexico – Anti Dumping Duties on Steel Pipes and Tubes.
- b. The petitioner vide the updated data provided an import statement which does not show any sales made by Singapore. The Petitioner cannot on one hand claim that it has imported the PUC from Singapore and on the other hand not show any imports from Singapore in the import statement provided by it.
- c. The Petitioner at Annexure 2.1 of the original petition has provided a table wherein it has segregated its imports based on its source i.e. Singapore, any other country and local traders. The Petitioner has not provided the name of the countries that fall under the heading of "any other country".
- d. There is change in data between the original petition and the updated petition filed post-initiation.

E.3. Examination by the Authority

25. With regard to the various issues raised by the domestic industry and the other interested parties, the Authority notes as follows:

- a. With regard to the issue of extending the POI on initiation, the Authority notes that the purpose of extending the POI is to conduct the investigation by considering the data of most recent period.

- b. With regard to the contention that the petitioner has claimed to have imported the subject goods from Singapore whereas no imports from Singapore are shown in the import statement provided by the petitioner; it is noted that these imported goods, though invoiced from Singapore, originated from China and not Singapore. The same has been verified.

F. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value

26. Under Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff Act, 1975, as amended, the normal value in relation to an article means:-

- i. *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- ii. *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
- a. *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- b. *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

F.1. Submissions by the Domestic industry

27. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- a. One of the provisions of Accession protocol has expired on 11th December, 2016. The Designated Authority should however proceed with present investigation considering Chinese producers as producers operating under non-market economy conditions due to reasons given below.

The relevant consideration in this regard must be the investigation period as the purpose of fixation of investigation period is to consider a period when the existence of dumping causing injury is established and that the developments occurring after the POI are not relevant for the determination. Since the POI in the present case is July, 2015 – September, 2016 (15 Months), the provisions of Article 15 shall be fully applicable to the present investigation period.

- b. The Authority should determine normal value in China in accordance with Para 7 & 8 of the Rules.
- c. Petitioner has claimed determination of Normal value in China on the basis of cost of production in India, duly adjusted with selling, general and administrative expenses and considering the consumption norms of the petitioner. The petitioner has first determined the cost of production of intermediate, SBA, considering the Butene prices as per petitioner. The calculated SBA cost is considered in calculating the constructed normal values of MEK in the subject countries. The petitioner has added 5% profits on the cost of production determined. Since the prices of raw material, Butene and that of the subject goods are subject to significant fluctuations, the petitioner has claimed consideration of normal value on month-wise basis.
- d. Normal value in Japan, South Africa and Taiwan - In the absence of published information with regard to actual transactions relating to domestic prices in exporting countries or any other evidence showing prevailing prices of the product under consideration in the exporting countries, the petitioner

has claimed determination of normal value in these countries by considering the constructed value approach. The petitioner has first determined the cost of production of intermediate, SBA, considering the Butene prices as per petitioner. The calculated SBA cost is considered in calculating the constructed normal values of MEK in the subject countries. The petitioner has added 5% profits on the cost of production determined. Since the prices of raw material, Butene, and the subject goods are subject to significant fluctuations, the petitioner has claimed consideration of normal value on month-wise basis.

e. Analysis of exporter responses highlights certain facts as mentioned below:

Information on website of Sasol clearly shows that the basic raw material for production is coal. MEK is produced in Secunda plant, where coal is easily accessible. The company has rights to coal mines, which is used in the production of gas. Petroleum gas is further refined to produce a number of products including the PUC.

- f. Sasol SA operates as a coal and gas based synthetic fuels manufacturing facility which also produces chemicals, feedstocks and electricity. Information extracted from the website of Sasol has already been placed on record of the Authority.
- g. The company has a fully integrated plant with backward and forward integration. Therefore, it is critical to examine that the cost of product under consideration has been correctly assessed.
- h. Sasol Middle East FZCO has claimed to not have received any incentives, grants or subsidies on export sales from its Govt. However, the Company is located in Jebel Ali Free Zone and should be availing at least some of the benefits enjoyed by the companies operating in this zone.
- i. TASCOC makes sales to India through affiliated company, Taiwan Fieldrich Corporation (TFC), which is also supplying some raw material. It is not clear as to what is the commercial relationship of TASCOC with TFC. Further, there are other companies in the TASCOC Group, which are involved in production and sales of the subject goods. Interests of the shareholders in such related companies and the extent of influence on cost and price of the subject goods needs to be examined.
- j. TASCOC has claimed to have purchased all primary raw materials from local suppliers. However, website of the TASCOC Group shows that TASCOC's commercial route to MEK is the dehydrogenation of SBA (sec- butyl alcohol), which is made from the hydration of raffinate-2 procured from their MTBE unit.
- k. TASCOC has denied receiving any grant, subsidy or any other consideration on manufacturing, export or transportation of the subject product. However, the plant for producing the subject goods is situated in Linyuan District, where benefits for exports are given by Taiwanese government to the Industrial Park.
- l. Export sales are made by Sojitz Asia on cash basis as well as on credit terms. Credit cost has been deducted from the export price wherever sales have been made on credit terms. The Authority may consider the adjustment towards credit cost in net export price calculation.
- m. The Authority may kindly consider adjustment for trader's commission and expenses incurred while calculating net export price in cases where exports have been made through traders.

F.2. Submissions made by other interested parties

28. The following producers/exporters from the subject countries have filed exporter's questionnaire:

- a. Sasol South Africa (Pty) Ltd., South Africa
- b. Sasol Middle East FZCO, Jebel Ali, UAE
- c. TASCOC Chemical Corporation, Taiwan
- d. Sojitz Asia Pte. Ltd., Singapore

29. Submissions made by the foreign producers/exporters/other interested parties with regard to normal value are as under :

- a. Sasol has claimed that the Authority should determine dumping margin by calculating the normal value and export price based on the Questionnaire response filed by the Exporters.

- b. Normal value has been claimed on the basis of sales in home market by the exporters.
- c. Subsidies or any other form of assistance, if any, received by Sasol Middle East FZCO is not relevant to the present anti-dumping investigation.
- d. Sasol India Pvt. Ltd. had no role to play to affecting the Exporters' sales to India, therefore, no reference was made to it. All exports of the PUC during the POI have been made through Sasol Middle East and Sasol India Pvt. Ltd. has no role in such exports.

F.3. Examination by the Authority

F.3.1 Examination of Market economy claims

30. With regard to the submissions made by the petitioner, it is submitted that the commitments under para 15(a) (i) of the Accession Protocol signed by China with WTO requires that the producers under investigation should clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product. In event of this being substantiated, the importing WTO member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability. Further Article 2.2.1.1 of WTO and AD Rules of India requires that the financial records of producer/exporter reasonably reflect the production costs. Therefore, information and supportive evidence thereof in respect of the following is required to be provided.

- a. Decisions in regard to price, cost, input including raw material, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signal reflecting supply and demand and without significant State interference and whether cost of major inputs substantially reflect market value.
- b. Production costs and financial situation does not suffer from any distortion.
- c. The producer/exporter are subject to bankruptcy and property law which guarantees legal certainty and stability for the operation of the firms.
- d. Exchange rate conversions are carried out at the market rate.

F.3.2 Determination of Normal Value for producers and exporters in China

31. Accordingly, in the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Authority has constructed the normal value for China PR considering international price for one of its major raw material i.e. Sulphuric Acid and domestic price for another major raw material i.e. Butene, optimum consumption norms of the domestic industry for raw materials and utilities, conversion cost, interest, SGA, etc. at the levels allowed for the domestic industry including thereupon reasonable profit. The calculation of Normal Value for all the exporters from China PR is shown in the Dumping Margin Table below.

F.3.3 Determination of Export Price for China

32. The Authority notes that none of the producers/exporters from China has responded to the Authority in the present investigation. Therefore, the Authority has determined the export price for all the producers/exporters in China on the basis of facts available and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

F.3.4 Determination of Normal Value and Export Price for producers and exporters in South Africa

33. The Authority notes that the following producers/exporters from South Africa have filed exporter questionnaire response:

- a. Sasol South Africa (Pty) Ltd., South Africa (Producer)
- b. Sasol Middle East FZCO, UAE (Exporter)

F.3.4.1 Determination of Normal Value for Sasol South Africa (Pty) Ltd. – South Africa (Producer) and Sasol Middle East FZCO – UAE (Exporter)

34. In view of questionnaire response from the producers/exporters in South Africa, normal value and dumping margin in case of responding producers & exporters has been determined on the basis of their questionnaire response.

35. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s Sasol South Africa (Pty) Ltd., South Africa is a producer of the subject goods. Exports to India are made through Sasol Middle East FZCO, UAE. Sasol South Africa has claimed normal value on the basis of sales made in the domestic market. As per information available in the EQ response, during the Period of investigation, Sasol South Africa made *** MT domestic sales. The ordinary course of trade (80:20) test conducted on the sales of Sasol South Africa indicates that *** of sales were profitable. The Normal Value of the subject goods in the POI therefore has been determined by taking average price of the total domestic sales in the subject country after making due adjustments. The Normal Value is thus considered as *** USD/MT.

F.3.4.2 Determination of Export Price for Sasol South Africa (Pty) Ltd. – South Africa (Producer) and Sasol Middle East FZCO – UAE (Exporter)

36. The Authority notes that Sasol South Africa has sold *** MT of the subject goods to India through Sasol Middle East. The weighted average CIF Price is determined as *** USD/MT. The Authority allows adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port handling charges, bank charges, credit cost to determine net export price at ex-factory level. The ex-factory export price is determined as *** USD/MT.

F.3.4.3 Determination of Normal Value and Export Price for Non-cooperating producers and exporters in South Africa

37. For the other producers/exporters of South Africa, Normal value and the export value has been considered based on the facts available. Based on this the dumping margin is indicated in the relevant table.

F.3.5 Determination of Normal Value and Export Price for producers and exporters in Taiwan

38. The Authority notes that TASCOC Chemical Corporation from Taiwan have filed exporter questionnaire response.

F.3.5.1 Determination of Normal Value and Export Price for TASCOC Chemical Corporation – Taiwan (Producer), Taiwan Fieldrich Corporation (TFC) (Exporter) and Sojitz Asia Pte. Ltd., (Trader)

39. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that TASCOC Chemical Corporation, Taiwan is a producer of the subject goods. TASCOC has claimed normal value on the basis of sales made in the domestic market. Exports to India are made through Taiwan Fieldrich Corporation (TFC) and Sojitz Asia Pte. Ltd. (Sojitz). As per information available in the EQ response, during the period of investigation TASCOC made *** MT of domestic sales. The ordinary course of trade (80:20) test conducted on the sales of TASCOC indicates that *** of the domestic sales are profitable. The Normal Value of the subject goods in the POI therefore has been determined by taking average price of the total domestic sales in the subject country after making due adjustments. The Normal Value is thus considered as *** USD/MT.

F.3.5.2 Determination of Export Price for TASCOC Chemical Corporation – Taiwan), Taiwan Fieldrich Corporation (TFC) (Exporter) and Sojitz Asia Pte. Ltd., (Trader)

40. The Authority notes that TASCOC has sold *** MT of the subject goods to India through TFC and Sojitz. The weighted average CIF Price is determined as *** USD /MT. The Authority allows adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port handling charges, banking charge, credit cost to determine net export price at ex-factory level. The ex-factory export price is determined as *** USD/MT.

F.3.5.3 Determination of Normal Value and Export Price for Non-cooperating producers and exporters in Taiwan

41. For the other producers/exporters of Taiwan, Normal value and the export value has been considered based on the facts available. Based on this the dumping margin is indicated in the relevant table.

F.3.6 Determination of Normal Value and Export Price for producers and exporters in Japan

42. The Authority notes that none of the producers/exporters from Japan have filed exporter questionnaire response. In view of non-cooperation from all the producer-exporters in Japan, the Authority has determined normal value and export price on the basis of best available information in terms of Rule 6(8) and the same is indicated in the dumping margin table given below.

F.3.8 Calculation of Dumping Margin

43. Comparing the aforesaid normal values and export prices as determined, the dumping margin determined for the subject countries during POI are as follows:

Dumping Margin

Country	Producer	Exporter	Normal Value	Ex-factory Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
			US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	Range
South Africa	Sasol South Africa (Pty) Ltd.	Sasol Middle East FZCO	***	***	***	***	60-70
South Africa	Others		***	***	***	***	90-100
Taiwan	TASCO Chemical Corporation	Taiwan Fieldrich Corporation (TFC), Taiwan Fieldrich Corporation (TFC) through Sojitz Asia Pte. Ltd.	***	***	***	***	25-35
Taiwan	Others		***	***	***	***	40-50
Japan	All		***	***	***	***	20-30
China	All		***	***	***	***	5-15

44. It is seen that the dumping margins are more than the de-minimis limits prescribed under the Rules in respect of exports made from each of the cooperating producers/exporters and non-cooperative producers/exporters from subject countries.

G. Determination of Injury and Causal Link

45. The petitioner has alleged that the dumped imports from the subject countries are causing material injury to the domestic like product in India. Having determined that the goods are entering from the subject countries at dumped prices, the Authority proceeds to examine the degree and extent of injury, if any, suffered by the domestic industry.

46. Rule 11 of the Rules read with Annexure – II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

G.1. Submissions made by the Domestic Industry

47. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- i. Significant volume of imports has entered the country at dumped prices.
- ii. Imports are significant in relation to production and consumption in India.
- iii. There is some decline in demand in the POI as compared to previous year, 2015-16. However, on overall basis, demand for the product under consideration has increased over the injury period. Dumped imports in absolute terms and in relative terms are at significantly high level throughout the injury period.

- iv. Subject imports hold significant market share despite domestic industry having increased capacity to cater to the domestic demand.
- v. The subject imports have created pressure on domestic prices, which has resulted in losses.
- vi. Imports are resulting in significant price underselling, as evidenced by the difference between the non-injurious price and landed price of imports.
- vii. The domestic industry expanded its capacity as demand for the product is significant. However, performance of the domestic industry in respect of production, sales, capacity utilization and market share has been significantly below the expected levels.
- viii. Production, sales and capacity utilization of the domestic industry is much below the achievable levels in spite of significant demand in the country.
- ix. Inventories with the Domestic Industry have increased significantly in the POI.
- x. Performance of the domestic industry in terms of profits, profit before interest, return on investments and cash profits has been adverse due to the presence of significant volume of low priced dumped imports.
- xi. Employment, wages and productivity have improved consistently with the increase in production.
- xii. Dumping margins are positive and significant.
- xiii. The consequent impact of the dumped imports on the domestic industry has been adverse. The domestic industry has suffered material injury.

G.2 Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

48. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- i. There is a huge demand-supply gap. Even if the Domestic Industry operates at 100% of its capacity, it would not be able to meet even 25% of the demand in the country.
- ii. There has been a constant negative price undercutting for most of the injury investigation period.
- iii. The Petitioner has provided two sets of data - one set of data is labelled as '90% data' for Profit/(Loss), Cash Profit, Profit before Interest and Tax, Return on Investment. The Petitioner has failed to provide any explanation for why they have considered only 90% of the data even when Proforma IV A does not require it.
- iv. There is no injury in terms of economic parameters such as capacity, production, sales volume, number of employees, and salaries and wages, etc.
- v. There is increase in market share and sales volume of petitioner while there is a decrease in the market share and volume of imports from the subject countries.
- vi. Capacity utilization has shown only a marginal decline when compared to the significant increase in capacity.
- vii. Imposition of antidumping duty is not in the public interest and would only increase monopolistic conditions of the petitioner.
- viii. Injury, if any, is either self-inflicted or due to other factors such as decline in crude prices.

G.3 Examination by the Authority

G.3.1 Cumulative Assessment

49. Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country/ territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
- b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

50. In the present case, the margin of dumping from each of the subject countries have been found to be more than the de minimis limit prescribed; the volume of dumped imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed; and the exports from the subject countries directly compete inter se and with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. Cumulative assessment of the effects of the dumped imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product. The Authority, therefore, considers it appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports from the subject countries.

G.4 Examination of Injury Parameters

51. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties. The Authority has examined the submissions made by the domestic industry and other interested parties with regard to the injury in accordance with the Antidumping Rules.

52. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority has considered relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules .

G.4.1 Assessment of Demand and Market Share

53. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producer(s) and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Demand	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A	POI
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***	***
Imports - Subject Countries	MT	26,969	27,347	39,910	35,576	44,470
Import - Other Countries	MT	***	***	***	***	***
Total Demand	MT	29,850	31,021	45,988	42,355	52,943
Market Share	%					
Domestic industry	%	9.65%	11.30%	11.15%	14.13%	14.13%
Subject countries	%	90.35%	88.16%	86.78%	84.00%	84.00%
Other Countries	%	0.001%	0.55%	2.06%	1.87%	1.87%
Total	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

54. The Authority notes that the demand for the product under consideration has increased over the period. The Authority also notes that demand for the product shows rising trends. However, there is some decline in demand in the POI as compared to previous year, 2015-16. It is also seen that the market share of domestic industry has remained more or less constant except during POI when it has shown increase. Market share of

subject countries, though fairly significant, has shown marginal decline consistently over the injury investigation period.

G.4.2 Volume and Price Effect of the dumped imports on the Domestic industry

(a) Volume Effect: Import Volume and share of subject countries

55. With regard to volume of the dumped imports, the Authority has examined whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analyzed as under:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A	POI
Import Volumes -						
China	MT	1,129	2,588	3,500	2,770	3,462
Japan	MT	2,237	1,647	11,015	8,804	11,005
South Africa	MT	7,437	6,941	8,519	7,272	9,089
Taiwan	MT	16,166	16,171	16,876	16,731	20,914
Subject Countries	MT	26,969	27,347	39,910	35,576	44,470
Other Countries	MT	0.20	169	949	793	991
Total	MT	26,969	27,516	40,860	36,369	45,461
Market Share in Imports						
China	%	4.19%	9.41%	8.57%	7.62%	7.62%
Japan	%	8.29%	5.99%	26.96%	24.21%	24.21%
South Africa	%	27.57%	25.23%	20.85%	19.99%	19.99%
Taiwan	%	59.94%	58.77%	41.30%	46.00%	46.00%
Subject Countries	%	100.00%	99.39%	97.68%	97.82%	97.82%
Other Countries	%	0.001%	0.61%	2.32%	2.18%	2.18%
Total	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%
Demand	MT	29,850	31,021	45,988	42,355	52,943
Indian Production	MT	***	***	***	***	***
Subject Imports in relation to						
Demand	%	90.35%	88.16%	86.78%	84.00%	84.00%
Indian Production	%	930.88%	786.03%	760.97%	606.17%	606.17%

56. The Authority notes that dumped imports of the product under consideration increased significantly in absolute terms as well as in relation to consumption and production in the country, throughout the injury period, except for decline in the POI. However, subject imports cumulatively command majority share of total imports in the country.

(b) Price Effect of dumped imports and impact on the domestic industry

57. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in normal course.

58. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject countries has been examined with reference to price undercutting, price

suppression/depression and price underselling, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed price of imports from subject countries.

i. Price Undercutting

59. Price undercutting has been determined by comparing the landed price of imports from the subject countries with the net sales realisation of the domestic industry in India.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Net Sales Realization	Rs/MT	***	***	***	***
Subject Countries as a whole					
Landed Price	Rs/MT	87,876	100,780	70,940	62,612
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting %	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	10-20%	Negative	0-10%	0-10%
CHINA					
Landed Price	Rs/MT	79,271	97,365	76,299	71,537
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting %	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	20-30%	0-10%	Negative	Negative
JAPAN					
Landed Price	Rs/MT	83,463	93,150	65,474	59,770
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting %	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	10-20%	0-10%	10-20%	0-10%
SOUTH AFRICA					
Landed Price	Rs/MT	89,449	101,355	71,281	62,426
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting %	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	5-15%	Negative	0-10%	0-10%
TAIWAN					
Landed Price	Rs/MT	88,364	101,856	73,225	62,712
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting %	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	10-20%	Negative	0-10%	0-10%

60. It is seen from the table above that the landed price of imports from the subject countries, except China, are undercutting the domestic prices during POI.

61. The domestic industry has contended that the imports are largely in bulk condition and that the exporters incur two-way freight costs for sending the material to consumer on account of the import item being a hazardous chemical. The DI has claimed that while all the freight cost is included in the import price, the domestic industry prices is taken at ex-factory level. The domestic industry has accordingly requested to calculate price undercutting by either of the two alternative approaches: (1) removal of one-way freight in landed price, or (2) addition of packing cost in domestic selling price.

62. The Authority in this regard further notes that some of the interested parties have contended that the adjustments proposed by the domestic industry to arrive at a positive price undercutting are untenable. The Exporters have reported actual cost of freight as paid to the third-party logistics service provider and the same has been verified by the Authority and therefore, the ex-factory export price and landed value need to be determined on the basis of the data submitted by the exporters. They have further contended that the product is sold in liquid form, therefore there is no expense which is clearly apportioned to specific packing as alleged by the Domestic Industry.

63. The Authority notes the submissions made by the domestic industry and opposing interested parties in this regard and also the past practice of the Authority. The Authority, therefore, adheres to the consistent practice of computing the landed value as per its consistent practice.

ii. Price Suppression / Depression

64. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority notes the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100	97	86	81
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100	98	74	65
Landed Price	Rs/MT	87,876	100,780	70,940	62,612
<i>Indexed</i>		100	115	81	71

65. Comparison of the cost of sales and selling price of the domestic industry and landed price of imports from the subject countries shows that the landed prices of subject imports were depressing the prices of the domestic industry to a significant degree. Further, landed price of imports have been below the level of cost of sales of the domestic industry throughout the injury period.

iii. Price Underselling

66. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. It is noted that there has been price underselling on account of dumped imports as shown in the table below:

Particulars	Unit	China	Japan	S. Africa	Taiwan
Non-Injurious Price	Rs/MT	***	***	***	***
Landed price of imports	Rs/MT	71,537	59,770	62,426	62,712
Price Underselling	Rs/MT	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***
Price Underselling	Range%	10-20%	30-40%	25-35%	25-35%

67. It is noted from the above table that there is price underselling on account of dumped imports of the subject goods from the subject countries.

(c) Conclusion on volume effect & price effect

68. The Authority notes that there has been a significant volume of dumped imports, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India throughout the injury investigation period. Further, the imports have resulted in significant price depression in the market. It is seen that the dumped imports are undercutting and underselling the domestic prices. The landed prices of imports have been significantly below the level of cost of sales of the domestic industry during the period of investigation. The dumped imports are having significant injurious effect on volume and prices of the domestic industry.

G.4.3 Examination of economic parameters relating to the domestic industry:

69. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and ability to raise capital investments.

70. Accordingly, various economic parameters of the domestic industry are analyzed herein below:

a) Impact on Capacity, Production and Capacity Utilization & Sales

71. The Authority has considered capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry over the injury period and notes as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A	POI
Capacity	MT	5,000	7,917	12,000	12,000	15,000
Production	MT	2,897	3,479	5,245	5,869	7,336
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>120</i>	<i>181</i>	<i>203</i>	<i>203</i>
Capacity Utilization	MT	57.94%	43.95%	43.71%	48.91%	48.91%
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>76</i>	<i>75</i>	<i>84</i>	<i>84</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>122</i>	<i>178</i>	<i>208</i>	<i>208</i>
Demand	MT	29,850	31,021	45,988	42,355	52,943
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>104</i>	<i>154</i>	<i>142</i>	<i>177</i>

72. It is noted from the table above that:

- The domestic industry has enhanced their capacity over the injury period, considering the significant demand for the product in the country.
- Production and domestic sales of the domestic industry has increased over the injury period. However, capacity was underutilised by more than 50% in the POI.

b) Market Share of Domestic industry in demand

73. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below. It is noted that the market share of the domestic industry has remained low throughout the injury investigation period.

Market Share	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Domestic Industry	%	9.65%	11.30%	11.15%	14.13%
Subject Countries	%	90.35%	88.16%	86.78%	84.00%
Other Countries	%	0.00%	0.55%	2.06%	1.87%
Total	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

c) Stock/inventories

74. The Authority further notes that the average inventory levels of the domestic industry has shown increasing trend during the injury period but the inventory level itself is very low (equivalent to approx. a week's production level) .

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Average Inventory	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>89</i>	<i>192</i>	<i>276</i>

d) Profits, Cash Profits and Return on Capital Employed

75. Performance of the domestic industry was examined in respect of profits, cash profits and return on capital employed.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>97</i>	<i>86</i>	<i>81</i>	<i>81</i>
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>98</i>	<i>74</i>	<i>65</i>	<i>65</i>
Profit / Loss	Rs/MT	***	***	(***)	(***)	(***)
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>157</i>	<i>(331)</i>	<i>(457)</i>	<i>(457)</i>
Profit / Loss	Rs. Lacs	***	***	(***)	(***)	(***)
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>190</i>	<i>(588)</i>	<i>(950)</i>	<i>(1,188)</i>
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	(***)	(***)	(***)
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>173</i>	<i>(363)</i>	<i>(622)</i>	<i>(778)</i>
Profit before Interest & Tax	Rs. Lacs	***	***	(***)	(***)	(***)
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>158</i>	<i>(178)</i>	<i>(315)</i>	<i>(393)</i>
Return on Capital Employed	%	***	***	(***)	(***)	(***)
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>90</i>	<i>(56)</i>	<i>(92)</i>	<i>(92)</i>

76. The Authority notes that the financial performance of the domestic industry deteriorated in 2015-16 and worsened further in the POI. Losses and cash losses increased in the POI and return on investment was negative.

e) Employment, Wages & Productivity

77. It is seen from the table below that employment and wages paid by the domestic industry and productivity has increased over the injury period. Hence, the dumped imports do not appear to have affected employment, wages and productivity trends.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A
Employment	Nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>120</i>	<i>125</i>	<i>125</i>
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>122</i>	<i>166</i>	<i>184</i>
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>120</i>	<i>181</i>	<i>203</i>
Productivity per Employee	MT/Nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>100</i>	<i>145</i>	<i>162</i>

f) Growth

78. Examination of growth parameters of the domestic industry during the injury period shows that the performance of the domestic industry has shown improvement in terms of volume parameters such as production, sales volume and market share. However, dumped imports have caused adverse impact on the

growth of the domestic industry in respect of price parameters such as profits and return on investment. Further, the capacity of the domestic industry remained under-utilized.

Growth	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A
Production	%	-	20%	51%	12%
Sales	%	-	22%	46%	17%
Capacity Utilization	%	-	-14%	0%	5%
Profit/Loss per unit	%	-	57%	-311%	-38%
Return on Capital Employed	%	-	-1.03%	-14.88%	-3.65%
Market Share - DI	%	-	1.65%	-0.15%	2.98%

g) Level of Dumping and Dumping Margin

79. The dumping margin in respect of each of the subject countries is not only more than de-minimis but also significant.

h) Factors affecting domestic prices

80. The Authority notes that prices of imported material from the subject countries have created significant pressure on the selling price of the domestic industry, causing financial losses. The landed values of imported material from the subject countries dumping the product were below the non-injurious price of the domestic industry, causing price underselling in the Indian market.

i) Ability to raise fresh Investment

81. The Authority notes that the domestic industry expanded its capacity in view of rising demand in the country in the injury investigation period. The domestic industry claims to have planned to enhance the capacity further.

G.4.4 Conclusion on injury:

82. Considering various parameters relating to material injury, the Authority notes that:

- The dumped imports of the subject goods have been significant, in absolute terms and in relation to production and consumption in India.
- Subject imports have increased during injury period but declined in the POI
- The landed prices of subject imports were below the cost of sales of the domestic industry.
- Production and sales of the domestic industry have increased over the injury period. The market share of the domestic industry has also increased. However, capacity has remained under-utilized.
- Profits, cash profits and return on capital employed are adverse during 2015-16 and POI.
- Dumping margin from the subject countries is positive and significant.

H. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

83. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry when compared with the landed value of the exports from the subject country shows positive injury margin during POI.

Country	Producer	Exporter	NIP US\$ per MT	Landed Value US\$ per MT	Injury Margin US\$ per MT	Injury Margin INR per MT	Injury Margin %	Injury Margin Range %
South Africa	Sasol South Africa (Pty) Ltd.	Sasol Middle East FZCO	***	***	***	***	***	30-40
South Africa	Others		***	***	***	***	***	60-70
Taiwan	TASCO Chemical Corporation	Taiwan Fieldrich Corporation (TFC), Taiwan Fieldrich Corporation (TFC) through Sojitz Asia Pte. Ltd.	***	***	***	***	***	30-40
Taiwan	Others		***	***	***	***	***	80-90
Japan	All		***	***	***	***	***	30-40%
China	All		***	***	***	***	***	10-20%

84. Having regard to the rules, the Authority notes that various parameters relating to injury collectively and cumulatively establish that the imports are causing material injury to the domestic industry. In view of material injury, examination of threat of injury does not appear to be essential.

I. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

85. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports.

86. It was examined whether the following other factors listed under the AD Rules could have contributed to the injury suffered by the domestic industry.

a) Volume and price of imports from third countries:

87. The Authority notes that there was low volume of imports of the product under consideration from third countries in the POI. Thus, imports from third countries could not have caused injury to the domestic industry.

b) Export Performance:

88. The Authority notes that there were no exports made by the domestic industry in the injury period. Therefore, profitability pertains to domestic operations only.

c) Development of Technology:

89. None of the interested party has raised any issue with regard to developments in technology as being the cause of injury to the domestic industry.

d) Performance of other products of the company

90. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the petitioner does not appear to be a possible cause of injury to the domestic industry.

e) Trade Restrictive Practices and Competition between the Foreign and Domestic producers:

91. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. The domestic producer competes with the landed prices of the subject goods. The price of the domestic industry is influenced substantially by the landed prices of subject goods. Moreover, no evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

f) Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption:

92. It is noted that the demand of the subject goods has marginally declined in the POI as compared to previous year. However, demand has increased significantly in the period of investigation as compared to the base year.

g) Productivity of the domestic industry

93. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has followed the same trend as production and shows increase. Deterioration in productivity is not a cause of injury to the domestic industry.

I.1 Factors analysed for causal link:

94. The Authority notes as under :

- a. The price depression effect of dumped imports from the subject countries has resulted in losses to the domestic industry;
- b. Negative return on capital employed and cash losses are directly a result of dumped imports.

95. From the foregoing facts and analysis, the Authority notes that the domestic industry has suffered material injury caused by the dumped imports from the subject countries.

96. The essential facts of the investigation gathered by the Designated Authority during the course of the investigations and analyzed by the Authority in the present disclosure statement are being disclosed to the interested parties in order to enable these interested parties to offer their comments on these facts.

J. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

97. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. Majority of the issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. Additional submissions have been analysed as under:

Submissions made by the Domestic Industry

98. The following comments on Disclosure statement are submitted by domestic industry:

- a) The petitioner is an eligible domestic industry and has adequate standing to file the petition.
- b) In case of exports by Sojitz, it is not clear whose export price has been considered by Authority for determining export price to India, i.e. Sojitz or TFC or TASCOS. Sojitz's commission and profit margin should be deducted from export price.
- c) The normal value for Chinese producers should be based on actual cost of production and not based on normatted notional cost of production as they have not cooperated in the investigations.
- d) Domestic industry has suffered material injury caused by dumped imports as the volume and market share of dumped imports was so high that the domestic industry could not utilize even half of its existing capacity.
- e) Dumped imports depressed the domestic prices leading to financial losses, cash losses and negative return on investment.
- f) In case of FOB shipments of exporters, the Authority adds ocean freight paid by importer. If this argument were to be accepted, then the packing cost of the domestic industry and freight cost on the domestic product must be included in determining selling price of the domestic industry.
- g) The petitioner rebuts the contention of the interested parties that the product is in liquid form and therefore there is no expense which is apportioned to specific packing. Merely because the product is in

liquid form does not imply that there is no possibility of packing. Whereas the domestic industry has sold both packed and loose material and further since exporters have sold in loose conditions, this is impacting fair comparison between the domestic and imported product and the Designated Authority must appropriately adjust the same while calculating price undercutting as well as injury margin.

- h) Dumped imports have resulted in significant price underselling.
- i) Dumping margin and injury margin in respect of each of the subject countries is significantly positive.
- j) Anti-dumping duties expressed in US\$ terms and in fixed form need to be recommended after necessary adjustments for packing and freight cost.

Submissions made by Other Interested Parties

99. The following comments on Disclosure statement are submitted by other interested parties:

1. The Petitioner may have claimed confidentiality over its import figures, however the import data must be provided in ranges so that meaningful comments can be made on whether such imports are significant or not.
2. The Hon'ble Authority, while initiating the investigation, determined a period of investigation i.e. July 1, 2015 - September 30, 2016 (15 months); however, the Petitioner failed to provide the data for the last three months of the period of investigation so determined as the Petition contained data only for the period of 12 months i.e. July 2015 - June 2016.
3. The Exporters note that the Hon'ble Authority has considered the data submitted through the exporters' questionnaire response as verified by the Hon'ble Authority in order to determine the normal value and export price.
4. Detailed submissions with respect to capacity figures reported by the Petitioner have not been addressed in the Disclosure Statement. Without gaining clarity with respect to the capacity figures, no meaningful analysis of capacity utilization and injury can be carried out.
5. It is submitted that if certain injury parameters show positive trend, the Hon'ble Authority must provide a compelling reason as to why there may be injury to domestic industry in spite of certain injury parameters like market share, price undercutting, price underselling, impact on capacity, production and capacity utilization & sales, employment, wages & productivity, profits showing a positive trend.
6. The Hon'ble Authority is requested to consider the factors other than dumping which have caused injury to the domestic and the same must not be attributed to dumping. There is no analysis of impact of fall in prices of crude, absence of correlation between landed price and selling price (more so when selling price itself seems to be incorrect based on the profitability figures reported by the Hon'ble Authority) and plant shut down as has been admitted by the Petitioner itself.
7. Given that the entire information with respect to calculation of non-injurious price has been kept confidential, the exporters are unable to offer any meaningful comment. The exporters reserve their rights to make any claims in this regard.
8. The importer has requested that the duty should be in reference price form. If a fixed form/ad valorem duty is imposed, then the exporters and the producers that have been exporting at increased prices would be unduly punished even if the current import price is higher than the calculated NIP. On the other hand, reference price form of duty would be fairer since it would not unnecessarily impose duties on those importers who import the material above the reference price threshold, thereby incentivising higher price of import.
9. The Authority's determination of positive price undercutting by imports of the PUC from the subject countries (except China) during the POI is unclear, when in fact in the revised Petition the Petitioner itself had arrived at negative price undercutting from all the countries. The Authority has even adhered to the standard practice of not factoring any adjustments to landed price. The same warrants an explanation by the Authority.

10. Market share of the Domestic Industry has increased right from the base year itself, suffering only a miniscule decline of 0.15% from 2014-15 to 2015-16. In the POI, it has increased from 2015-16 by nearly 3%.
11. There has been a straight decline in imports as a proportion of consumption from 90% in the base year to 84% in the POI, and also as a proportion of production from 930% in the base year to 606% in the POI.
12. Based on the data submitted by the Domestic Industry in its revised petition wherein it had increased its capacity from 7,917 MT in 2014-15 to 12,000 MT in 2015-16, the Authority has failed to appreciate that an increase in capacity of such magnitude practically cannot be absorbed/utilized for production within a short span of time.
13. While the Authority has noted significant losses accruing to the Domestic Industry in the PUC, it has not examined how the Domestic Industry is making profits in respect of one product while at the same time the Domestic Authority is making losses in respect of another product.
14. Financial and operational losses are due to the Petitioner's new MIBK unit for which it has incurred significant capital expenditure.
15. As noted by the Authority itself, there has been an increase in employment, wages paid by the Domestic Industry, and productivity. Also noted by the Authority, though inventory levels have increased, they are still equivalent to approx. a week's production level. Thus, the Domestic Industry has not suffered injury on account of these parameters.
16. The Petitioner is engaged in the production of two main products – MEK (the PUC) and SBA. SBA is a feedstock for the manufacture of MEK. Petitioner is only focusing on SBA and earning decent profits. Therefore, DI will not raise MEK production at all even after imposing of duty.
17. Lower sales realization by the Domestic Industry is due to decline in prices of raw material obtained from global crude oil, which itself has declined over the last few years.
18. Full name of Sojitz Asia Pte Ltd has not been provided in the dumping margin table and the injury margin table. This should be provided to avoid any kind of confusion with the customs authorities in case of levy of anti-dumping duty.
19. The Authority has accepted the Petitioner's confidentiality claims without providing any justification for the same.
20. Higher dumping margin has been determined for the Respondent which is cooperated with the Authority whereas a lower dumping margin has been determined for non-cooperating entities from China and Japan, thus creating an anomalous situation. In the view of above, the anti-dumping investigation on Methyl Ethyl Ketone against imports from Taiwan should be discontinued.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

100. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and were already addressed earlier in the disclosure statement. The findings above deal with these arguments of the parties. Further, the Authority has examined submissions of interested parties herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere.
 - a) With regard to the contention of the domestic Industry regarding determination of export price in case of exports by Sojitz Asia Pte. Ltd, it is noted that all appropriate deductions and adjustments have been made by determining the net export price.
 - b) With regard to contention of the domestic industry regarding determination of normal value for Chinese producer, the authority notes that since there was no response from Chinese producer/exporter, the normal value has been constructed based on the facts available.
 - c) With regard of the contention of the interested parties regarding examination of extended POI, the Authority notes that POI has been extended in number of cases in the past while initiating anti-dumping investigation in order to make POI as recent as possible to bring in the element of greater objectivity to the investigation. The authority in any case has conducted investigation based on the

complete data, including that of extended POI. It is further noted that WTO panel in Mexico, in anti-dumping duties on Steel pipes and tubes, quoted by one of the interested parties itself has made observations to the contrary:

The panel in Para 7.234 of its report has observed “*we consider that it would have been appropriate and desirable for Economia to collect updated data if not prior to initiation, then at least for the purposes of its substantive injury analysis*”.

“The Authority had two choices viz either to initiate the investigation based on POI 8 months old from the date of initiation or change the POI so as to make it closer to the date of initiation of the investigation in order to have updated data for injury analysis.”

- d) With regard to the petitioner’s contention for fair comparison between the domestic and imported product, it is noted that the Authority has compared imported and domestic product at the same level i.e. in loose form.
- e) With regard to the contention of the interested parties regarding examination of factors other than dumping, it is noted that Authority has conducted non-attribution analysis in the foregoing paragraph.
- f) With regard to contention of interested parties as to why there may be injury to domestic industry in spite of certain injury parameters showing a positive trend, the Authority notes that all injury parameters need not necessarily show decline for determining the existence of material injury.

This is substantiated by the WTO Panel Report in the case of EC — Bed Line wherein the Panel stated as under:

“[A]n analysis of injury does not rest on the evaluation of the Article 3.4 factors individually, or in isolation. Nor is it necessary that all factors show negative trends or declines. Rather, the analysis and conclusions must consider each factor, determine the relevance of each factor, or lack thereof, to the analysis, and consider the relevant factors together, in the context of the particular industry at issue, to make a reasoned conclusion as to the state of the domestic industry”

- g) With regard to contention of parties that financial and operational losses are due to the Petitioner’s new MIBK unit for which it has incurred significant capital expenditure and, it is noted that the injury analysis has been conducted after segregating information for the PUC only.
- h) With regard to contention of parties that higher dumping margin has been determined for the respondent which is cooperated with the Authority whereas a lower dumping margin has been determined for non-cooperating entities from China and Japan, it is noted that the authority has followed due procedure and analysis is based on facts available on record.
- i) With regard to the contention of the parties that determination of positive price undercutting by imports of the PUC from the subject countries (except China) during the POI is unclear, the authority reiterates that price undercutting has been determined based on the verified data of the domestic industry and the landed value of imports.
- j) With regard to the contention of the parties that petitioner is only focusing on SBA and it will not raise MEK production even after imposition of duty, the Authority notes that even if the petitioner caters to the entire Indian demand for SBA, it will have sufficient capacity of SBA left with it for manufacturing MEK. Therefore, there is no merit in this submission of the interested parties.

K. Indian industry’s interest & other issues:

101. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of

the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

L. Recommendation

102. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal values.
- b) The domestic industry has suffered material injury on account of dumped subject imports from subject countries.

103. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all the interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury. Keeping in view the factual matrix of this case, the imposition of anti-dumping duty is recommended in the form of reference price hereunder for a period of 3 years only.

104. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries for 3 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8 of the duty table.

DUTY TABLE

SN	Subheading/ Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	South Africa	South Africa	Sasol South Africa (Pty) Ltd.	Sasol Middle East FZCO	1,224.36	MT	US\$
2.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	South Africa	South Africa	Any combination other than (1) above		1,224.36	MT	US\$
3.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	South Africa	Any	Any	Any	1,224.36	MT	US\$
4.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Any	South Africa	Any	Any	1,224.36	MT	US\$
5.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Taiwan	Taiwan	TASCO Chemical Corporation	Taiwan Fieldrich Corporation (TFC), Taiwan Fieldrich Corporation (TFC) through Sojitz Asia Pte. Ltd.	1,112.95	MT	US\$

6.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Taiwan	Taiwan	Any combination other than (5) above		1,112.95	MT	US\$
7.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Taiwan	Any	Any	Any	1,112.95	MT	US\$
8.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Any	Taiwan	Any	Any	1,112.95	MT	US\$
9.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Japan	Japan	Any	Any	1,065.66	MT	US\$
10.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Japan	Any	Any	Any	1,065.66	MT	US\$
11.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Any	Japan	Any	Any	1,065.66	MT	US\$
12.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	China	China	Any	Any	1,147.06	MT	US\$
13.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	China	Any	Any	Any	1,147.06	MT	US\$
14.	29141200	Methyl Ethyl Ketone or MEK	Any	China	Any	Any	1,147.06	MT	US\$

* The customs classification is indicative only and not binding on the scope of this investigation.

105. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

D. Further Procedure

An appeal against the order of the Central Government arising out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority